221. राजस्थान का कौन सा भौतिक प्रदेश ''खाद्यान्न का कटोरा'' भी कहा जाता है।

(a) दक्षिण पूर्वी पठारी प्रदेश
(b) अरावली पर्वत श्रेणी प्रदेश
(c) पूर्वी मैदान प्रदेश
(d) बनास बेसिन

उद्योग प्रसार अधिकारी -2018 (22 जुलाई, 2018)

Ans. (c) राजस्थान के पूर्वी मैदान प्रदेश की खाद्यान्न का कटोरा कहा जाता है। पूर्वी मैदान प्रदेश का उपजाऊपन अरावली पर्वतमाला के कारण है क्योंकि यह रेगिसतान के पूर्वी विस्तार को नियंत्रित करती है।

222. निम्न में से भारत का सबसे शुष्क स्थान कौन-सा है?

(a) जयपुर (b) जैसलमेर
(c) कोटा (d) बाड़मेर

स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा-2019 (21 मार्च, 2021)

Ans. (b) भारत का सबसे शुष्क स्थान जैसलमेर (राजस्थान) है। यह थार के रेगिस्तान में स्थित है। गर्मियों में इसका औसत तापमान 49°C तथा सर्दियों में 5°C तक पहुँच जाता है। जैसलमेर राजस्थान का सबसे बड़ा जिला है। यहीं पर डेजर्ट नेशनल पार्क स्थित है।

223. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए कूट से कीजिए-

(1) भौराट का पठार कुम्भलगढ़ और राजसमन्द के मध्य स्थित है।
(2) उत्खात स्थलाकृति चम्बल बेसिन में मिलती है।
(3) रघुनाथगढ़ उत्तरी अरावली का सर्वोच्च शिखर है।

कूट:

(a) 1 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

संगणक भर्ती परीक्षा-2021 (19 दिसम्बर, 2021)

Ans. (c)

- भौराट का पठार कुम्भलगढ़ (राजसमंद) और गोगुन्दा (उदयपुर) के मध्य स्थित है।
- उत्खात स्थलाकृत चम्बल बेसिन में मिलती है। बुन्देलखण्ड के पठार में चम्बल नदी द्वारा निर्मित महाखड्डों को उत्खात भूमि कहा जाता है।
- रघुनाथगढ़ उत्तरी अरावली का सर्वोच्च शिखर है जो राजस्थान के सीकर जिले में स्थित है।

224. जुलाई माह की 999 मिलीबार की समदाब रेखा किन जिलों से गुजरती है?

(a) बाड़मेर -नागौरी-चूरू
(b) जैसलमेर-बीकानेर -गंगानगर
(c) जालौर -पाली-अजमेर
(d) सिरोही-उदयपुर -झालावाड़

सहायक अग्निशमन अधिकारी (एएफओ) -2021

Ans. (c) समदाब रेखा एक मौसम मानचित्र पर खीची जाने वाली रेखा है जो समान दाब के बिन्दुओं को जोड़ती है। यह औसत समुद्र तल की दबाव रिपोर्ट से उत्पन्न होता है तथा दबाव मान मिलीबार में मापा जाता है। जुलाई माह की 999 मिलीबार की समदाब रेखा राजस्थान के जालौर, पाली, अजमेर जिलों से गुजरती है।

225. रेडक्लिफ रेखा का राजस्थान में विस्तार है:

(a) हिन्दुमलकोट (गंगानगर) से बाखासर (बाड़मेर) तक
(b) कोणागाँव (गंगानगर) से शाहगढ़ (जालौर) तक
(c) हिन्दुमलकोट (गंगानगर) से शाहगढ़ (जालौर) तक
(d) कोणागाँव (गंगानगर) से बाखासर (बाड़मेर) तक

प्रयोगशाला सहायक-2018 (03 फरवरी 2019)

Ans. (a) राजस्थान का स्थिति विस्तार भारत के उत्तरी-पश्चिमी भाग में 23° 3' से 30° 12' उत्तरी अक्षांश से 69° 30' से 78° 17' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। राज्य की 1070 किलोमीटर अंतर्राष्ट्रीय सीमा जिसे रेडक्लिफ रेखा कहा जाता है, राजस्थान के उत्तरी जिला गंगानगर (हिन्दुमलकोट) से लेकर पश्चिमी जिला बाड़मेर (बाखासर) तक रेडाक्लिफ रेखा का विस्तार है।

226. राजस्थान के निम्न जिलों में से कौन से एक जिले में अरावली पहाड़ी का विस्तार नहीं है?

(a) सीकर (b) झुन्झुनूं
(c) जालौर (d) अलवर

प्रयोगशाला सहायक-2018 (03 फरवरी 2019)

Ans. (c) अरावली पर्वतमाला की कुल लम्बाई 692 किमी तथा औसत ऊचाई 930 मीटर है। अरावली पर्वतमाला विश्व की प्राचीनतम पर्वतमाला है। अरावली का विस्तार 4 राज्य/ केन्द्रशासित प्रदेश गुजरात, राजस्थान, हरियाणा तथा दिल्ली में है। इसका 80% (550किमी) विस्तार राजस्थान राज्य में आता है। राजस्थान के 14 जिलों में इस पर्वत का विस्तार है जो निम्नलिखित है।

(1) उदयपुर (2) चित्तौड़गढ (3) राजसमंद (4) डूँगरपुर
(5) प्रतापगढ़ (6) भीलवाड़ा (7) सीकर (8) झुन्झुनू (9) अजमेर
(10) सिरोही (11) अलवर (12) पाली (13) जयपुर
(14) नागौर

227. राजस्थान के अरावली प्रदेश में राज्य के कुल कितने जिले सम्मिलित किए गए हैं?

(a) 10 जिले (b) 12 जिले
(c) 09 जिले (d) 08 जिले

उद्योग प्रसार अधिकारी -2018 (22 जुलाई, 2018)

Ans. (*) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।
नोट- आयोग द्वारा इस प्रश्न का सही उत्तर (b) दिया गया है।

228. राजस्थान के निम्न जिलों में से कौन से एक जिले में अरावली पहाड़ी का विस्तार नहीं है?

(a) सीकर (b) झुंझुनूं
(c) जालौर (d) अलवर

48 LA2018_Question Paper Code-48
कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

229. निम्नलिखित में से कौन से युग्म सही सुमेलित है? नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

जिला		आकार
1. जोधपुर	-	अनियमित बहुभुजाकार
2. सीकर	-	अर्द्धचन्द्रकार
3. जैसलमेर	-	मयूराकार
4. करौली	-	बतखाकार

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

कूट :

(a) 1 और 4 (b) 2 और 3

(c) 2 और 4 (d) केवल 4

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (c) सीकर – अर्धचंद्राकार
जैसलमेर – सप्तबहुभुजाकार
जोधपुर – मयूर आकार
करौली – बतखाकार

230. राजस्थान के भौतिक प्रदेशों के संबंध में निम्नलिखित कथनों का परीक्षण कीजिए तथा नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

1. राज्य के 61.11 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पश्चिमी रेतीले मैदान का विस्तार है।
2. राज्य के 9.60 प्रतिशत भू-क्षेत्र में अरावली पर्वतीय प्रदेश का विस्तार है।
3. राज्य के 23.03 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पूर्वी मैदान का विस्तार है।
4. राज्य के 6.37 प्रतिशत भू-क्षेत्र में दक्षिण -पूर्वी पठारी प्रदेश का विस्तार है।

कूट :

(a) 1 और 3 (b) 3 और 4

(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (d) पश्चिमी रेतीले मैदान- भारत की पश्चिमी सीमा से लेकर मध्य राजस्थान में अरावली तक राजस्थान के पश्चिमी भाग में विस्तृत है। यह राज्य के 12 जिलों में 61.11% भाग पर फैला है।
अरावली पर्वत- राजस्थान के मध्य भाग में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर पूर्व दिशा में राज्य के 9.60% भाग पर अरावली पर्वतमाला विस्तृत है।
पूर्वी मैदान-राजस्थान का पूर्वी मैदान भाग चंबल, बनास बाणगंगा व उनकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित है जो विस्तृत रूप में गंगा के मैदान का ही प्रवाह है। यह मैदान राज्य के 23.03% भाग पर फैला है।
दक्षिणी-पूर्वी पठार- राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी भाग को प्राचीन काल में हाड़ा वंशी शासकों का क्षेत्र होने के कारण हड़ौत का पठार भी कहा जाता है। राज्य के लगभग 70% भाग में फैला है।

231. राजस्थान का पूर्वी मैदानी भाग राजस्थान राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग प्रतिशत धारित करता है-

(a) 61.2% (b) 23%

(c) 09% (d) 33%

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

232. पश्चिमी राजस्थान के रेतीले मैदान का कितना प्रतिशत क्षेत्र बालुका स्तूप मुक्त है-

(a) 61.11 (b) 14.7

(c) 41.5 (d) 18.6

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (c) पश्चिमी राजस्थान के रेतीले मैदान का लगभग 41.5% क्षेत्र बालुका स्तूप मुक्त है। इसमें जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधरपुर एवं चुरू जिलों के पश्चिमी भाग सम्मिलित हैं। इन प्रदेशों में सर्वत्र बालुका स्तूपों का विस्तार है। पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर जिले में सेवण घास के मैदान पाए जाते हैं।

233. पश्चिमी राजस्थान में रेत की टीलों से कितना क्षेत्र मुक्त है?

(a) 28.5% (b) 41.5%

(c) 18.6% (d) इनमें से कोई नहीं

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

234. राजस्थान में मरुस्थलीकरण का मानवजनित कारण नहीं है-

(a) जनसंख्या दबाव
(b) भूमि-उपयोग में परिवर्तन
(c) अतिचारण
(d) प्रौद्योगिकी विकास

Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016

Ans. (d) दिए गए विकल्पों में राजस्थान में मरुस्थलीकरण के मानव जनित कारणों में प्रौद्योगिकी विकास शामिल नहीं है।

235. राजस्थान के थार मरुस्थल में दृषद्वती नदी की घाटी में किस प्रकार के बालु के स्तूप चिह्नित होते हैं?

(a) रेखीय या पवनानुवर्ती बालु का स्तूप
(b) बरखान बालु का स्तूप
(c) पेराबोलिक बालु का स्तूप
(d) तारा बालु का स्तूप

LDC Exam 12.08.2018

Ans. (a) राजस्थान के थार मरूस्थल में दृषद्वती नदी की घाटी में रेखीय या पवनानुवर्ती बालू के स्तूप चिह्नित होते हैं। ये क्षेत्र वायु अपरदन एवं निक्षेपण का परिणाम है। इन स्तूपों पर जैसलमेर, जोधपुर तथा बाड़मेर जिलों में वनस्पति पायी जाती है।

236. निम्नांकित में से कौनसा बालुका स्तूप मन्द पवनामुखी ढाल व तीव्र पवनाविमुखी ढाल व तीव्र पवनाविमुखी ढाल वाला होता है?

(a) अनुदैर्ध्य (b) अनुप्रस्थ

(c) बरखान (d) नेबखा

LDC Exam 09.09.2018

Ans. (c) बरखान स्तूप रेत के टीले होते हैं जिनकी आकृति अर्द्धचन्द्राकार होती है। बरखान स्तूप ऐसे रेगिस्तान में पाये जाते हैं जहाँ पर पवन एक ही दिशा में प्रवाहित होते हैं। बरखान स्तूप का पवनानुमुखी ढाल मंद और उत्तल होता है तथा पवनाविमुखी ढाल तीव्र होता है।

237. राजस्थान में उत्खात भूमि स्थलाकृति दिखाई देती है-

(a) कोटा और बूँदी में
(b) जैसलमेर और बाड़मेर में
(c) गंगानगर और हनुमानगढ़ में
(d) सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर में

कृषि पर्यवेक्षक -2021

Ans. (d) उत्खात भूमि स्थलाकृतिः- अर्द्धशुष्क प्रदेशों में स्थित असमान धरातल वाली उच्चभूमि जिस पर अकास्मिक तीव्र वर्षा हो जाने से गहरी-गहरी अवनलिकाओं की पंक्तिया बन जाती है और सम्पूर्ण भूमि ऊबड़-खाबड़ हो जाती है। इस प्रकार की भूमि में सामान्य रूप से गंभीर खड्ड एवं अवनलिकाएँ बन जाती है इसे उत्खात भूमि स्थलाकृत कहा जाता है। राजस्थान के धौलपुर, सवाई माधोपुर और करौली में चम्बल नदी के सहारे का क्षेत्र अत्यधिक कटाव से बीहड़ के रूप में हैं राजस्थान में उत्खात भूमि स्थलाकृति इन्ही क्षेत्रों में दिखाई देती है।

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

238. मरुस्थल के विस्तार को नियंत्रित करने के लिए, वर्ष 1959 में केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) की स्थापना की गई-

(a) जयपुर में (b) जोधपुर में
(c) उदयपुर में (d) जैसलमेर में

कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)-2020
RPSC Prayogshala Sahayak (Vigyan) 28-06-2022

Ans. (b) केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI) की स्थापना भारत सरकार ने 1959 ई. में जोधपुर में की। यह संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के अधीन कार्यरत है। देश का 12% भौगोलिक क्षेत्र शुष्क क्षेत्र की परिधि में आता है।

239. निम्न में से कौनसी रेखा, राजस्थान के दक्षिणी भाग से गुजरती है?

(a) प्रधान मध्याह्न रेखा (b) मकर रेखा
(c) कर्क रेखा (d) विषुवत् रेखा

कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (c) कर्क रेखा राजस्थान के दक्षिणी भाग से गुजरती है। कर्क रेखा भारत के 8 राज्यों से होकर गुजरती है ये राज्य- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा व मिजोरम है।

240. 'मंकी वैली' किसका नाम है?

(a) नाहरगढ़ (b) आमेर
(c) गलताजी (d) जयगढ़

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष)-2019

Ans. (c) अरावली पर्वत की गोंद में स्थित पर्यटन स्थल गलताजी में बरसात के दिनों में हरियाली छा जाती है। इस घाटी में बहुत अधिक बन्दर रहते हैं जिसके कारण इसे 'मंकी वैली' कहा जाता है।

241. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(1) उत्तर-पूर्वी अरावली क्षेत्र	(a) उदयपुर
(2) अरावली का मध्यवर्ती भाग	(b) जयपुर
(3) भोराट क्षेत्र	(c) अलवर
(4) दक्षिणी अरावली	(d) सिरोही

कूट :

	(1)	(2)	(3)	(4)
(a)	(c)	(a)	(b)	(d)
(b)	(a)	(b)	(c)	(d)
(c)	(c)	(b)	(a)	(d)
(d)	(b)	(a)	(d)	(c)

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख)-2019

Ans. (c) सही सुमेलन है–

अरावली		क्षेत्र जनपद
उत्तरी-पूर्वी अरावली क्षेत्र	–	जयपुर, दौसा, अलवर
अरावली का मध्यवर्ती भाग	–	अजमेर, जयपुर, टोंक
भोराट क्षेत्र	–	उदयपुर
दक्षिणी अरावली	–	सिरोही, उदयपुर, राजसमन्द

242. 'बर्र (बार) दर्रा' राजस्थान के कौन से जिले में अवस्थित है?

(a) अजमेर (b) बूँदी
(c) चित्तौड़गढ़ (d) उदयपुर

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (a) बर्र (बार) दर्रा राजस्थान के अजमेर जिले में अवस्थित है। मध्य अरावली क्षेत्र के अन्तर्गत अजमेर, सांभर क्षेत्र की अरावली पर्वतमाला को सम्मिलित किया जाता है। इस क्षेत्र के खामली घाट एवं गोरमघाट प्रमुख दर्रे हैं।

243. निम्नलिखित में से कौन सा मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है?

(a) अतिचारण (b) निर्वनीकरण
(c) नगरीकरण (d) अतिवृष्टि

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) -2019
RPSC RAS/RTS 2012

Ans. (d) अतिचारण, निर्वतनीकरण नगरीकरण आदि मरूस्थलीकरण का कारण है जबकि अतिवृष्टि मरूस्थलीकरण का कारण नहीं है। एक अध्ययन के अनुसार, विश्व में हर वर्ष 12 मिलियन हेक्टेयर उत्पादक भूमि मरूस्थलीकरण और सूखे के कारण बंजर हो जाती है।

244. गिरवा पहाड़ियाँ किस जिले में स्थित है?

(a) डूंगरपुर (b) सिरोही
(c) उदयपुर (d) भीलवाड़ा

कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (c) गिरवा पहाड़ियाँ उदयपुर में स्थित हैं। उदयपुर में ढेबर झील, पिछोला झील, फतेह सागर, आहड़ संस्कृति इत्यादि स्थित है।

245. राजस्थान के नक्शे पर निम्नलिखित में से कौन सा सुदूर दक्षिण में स्थित है?

(a) मेड़ता सिटी (b) सोजत
(c) मारवाड़ जंक्शन (d) राजसमन्द

कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (d) राजस्थान के नक्शे पर राजसमंद दक्षिणतम स्थल है। सोजत व मारवाड़ जक्शन पाली जिले में स्थित हैं जो राजसमंद से उत्तर में है। मेड़ता सिटी नागौर में स्थित है। नागौर राजस्थान के मध्य में स्थित है।

246. तारा बालुका स्तूप कहाँ पाये जाते हैं?

(a) ओसियाँ (b) लूणकरणसर
(c) पोकरण (d) सूरतगढ़

Junior Instructor Welder-26.03.2019
कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (c) तारा बालुका स्तूप पोकरण, जैसलमेर में पाए जाते हैं। वायु द्वारा निर्मित संरचना बालुका स्तूप होते हैं। बालुका स्तूप मुक्त प्रदेश जैसलमेर के चारो तरफ 65 किमी. क्षेत्र पर विस्तृत है।

247. राजस्थान का जिला, जो गुजरात के बनासकांठा जिले की सीमा को स्पर्श करता है, वह है -

(a) जालौर (b) डूंगरपुर
(c) बाँसवाड़ा (d) बाड़मेर

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

Ans. (b) गुजरात राजस्थान के दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिमी में स्थित है। गुजरात के बनासकंठा से डूंगरपुर की सीमा लगती है।

248. राजस्थान राज्य का कौन-सा जिला हरियाणा राज्य के हिसार की सीमा को छूता है?

(a) हनुमानगढ़ (b) चुरू
(c) झुंझुनू (d) सीकर

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018

Ans. (c) राजस्थान के सीमावर्ती राज्यों में हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, पंजाब शामिल है। राजस्थान के 7 जिले हरियाणा के सीमावर्ती है। राजस्थान का झुंझुनू जिला हरियाणा के हिसार को छूता है।

249. निम्नांकित में से कौन-से काल की चट्टानों में सीसा तथा जस्ता मिलता है?

(a) आर्कियन व प्रोटेरोजोइक
(b) प्रोटेरोजोइक व मेसोजोइक
(c) सिनोजोइक व प्रोटेरोजोइक
(d) केम्ब्रियन व कार्बोनिफेरस

कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) सीसा और जस्ता मिश्रित अवस्था में अरावली पहाड़ी की अवसादी व परतदार चट्टानों में गैलेना अयस्क के रूप में मिलने वाला खनिज है। यह आर्कियन और प्रोटेरोजोइक काल की चट्टानों में प्राप्त होता है। सीसा-जस्ता उत्पादन और भण्डारण की दृष्टि से राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है।

250. राजस्थान में 'मरुस्थल का प्रयाण' प्रक्रिया का संबंध है-

(a) मरुस्थल में शीतकालीन वर्षा से
(b) मरुस्थल में चरम तापमान से
(c) मरुस्थल का विस्तार से
(d) मरूस्थलीय भूजल स्तर में गिरावट से

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (c) मरूस्थल प्रयाण से तात्पर्य मरूस्थलीय क्षेत्र में विस्तार से है। राजस्थान थार मरूस्थल के क्षेत्र में अवस्थित है।

251. रचना विधि के आधार पर अरावली पर्वत है-

(a) मोड़दार (b) संचयी
(c) अवरोधी (d) अवशिष्ट

JEN Mechanical Diploma 21.8.2016

Ans. (a) रचना विधि के अनुसार, अरावली पर्वत मोड़दार पर्वत है। अरावली की पहाड़ियाँ प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी एवं उत्तर-पश्चिमी किनारे पर स्थित है। ये गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली है। अरावली पहाड़ी के पश्चिमी भाग में थार का मरूस्थल स्थित है।

252. अरावली पर्वतमाला के किस भाग में सर्वाधिक संख्या में अन्तराल विद्यमान है-

(a) उत्तरी एवं मध्यवर्ती (b) उत्तरी एवं दक्षिणी
(c) मध्यवर्ती एवं पूर्वी (d) दक्षिणी एवं पश्चिमी

JEN Mechanical Degree (Tsp Area)16.10.2016

Ans. (a) अरावली पर्वतमाला के उत्तरी एवं मध्यवर्ती भाग के सर्वाधिक संख्या में अंतराल विद्यमान है। उल्लेखनीय है कि अरावली पर्वत शृंखला विश्व की सबसे पुरानी वलित पर्वत शृंखला है। इसकी पर्वत श्रेणियाँ दिल्ली से लेकर पालनपुर तक विस्तृत हैं। अरावली का विस्तार राजस्थान के सिरोही, राजसमंद, उदयपुर, अजमेर, जयपुर, दौसा और अलवर जिलों तक है।

253. भू-जलवायविक प्रमाणों के आधार पर आज से लगभग कितने वर्ष पूर्व राजस्थान में मरूस्थल का अस्तित्व नहीं था?

(a) 1,000 (b) 7,000
(c) 10,000 (d) 25,000

JEN Civil Diploma 21.08.2016

Ans. (b) भू-जलवायविक प्रमाणों के आधार पर आज से लगभग 7000 वर्ष पूर्व राज्स्थान में थार मरूस्थल का अस्तित्व नहीं था। थार के मरुस्थल के उत्पत्ति के पूर्व इस स्थान पर समुद्र हुआ करता था। जुरासिक काल 18 करोड़ से 4.5 करोड़ वर्ष माना जाता है। इसी काल में लगभग 6 करोड़ वर्ष पहले यहाँ पर हकड़ा नामक नदी बहती थी अर्थात् इसी समय यहाँ पर स्थलीय संरचना का निर्माण हुआ। जुरासिक समय के लकड़ियों के अवशेष का कास्ट जीवाश्म आज भी मौजूद है। जो मरुस्थलीय क्षेत्र से पाये जाते हैं। अतः मरुस्थल निर्माण की प्रक्रिया करोड़ों वर्षों पूर्व की है।

254. वर्तमान में अरावली पर्वत विद्यमान है?

(a) वलित पर्वतों के रूप में
(b) संगृहीत पर्वतों के रूप में
(c) अवशिष्ट पर्वतों के रूप में
(d) ब्लॉक पर्वतों के रूप में

JEN Civil Diploma 21.08.2016

Ans. (c) वर्तमान में अरावली पर्वत अवशिष्ट पर्वत के रूप में विद्यमान है। इस पर्वत श्रेणी का विस्तार उत्तर-पूर्व से दक्षिण पश्चिम की ओर दिल्ली से लेकर अहमदाबाद तक लगभग 800 किमी. की लम्बाई में है। अरावली विश्व की प्राचीनतम पर्वत श्रेणी है। इस पर्वत श्रेणी का 80 प्रतिशत विस्तार राजस्थान राज्य में है। अरावली पर्वतीय प्रदेश का विस्तार राजस्थान राज्य के सात जिलों सिरोही, उदयपुर, राजसंमद, अजमेर, जयपुर, दौसा और अलवर में है। अरावली पर्वत श्रेणी की सर्वोच्च शिखर गुरुशिखर है जिसकी ऊँचाई 1722 मी. है।

→ अरावली पर्वत तीन प्रमुख उपप्रदेशों में विभक्त है-
(1) दक्षिणी अरावली प्रदेश।
(2) मध्य अरावली प्रदेश।
(3) उत्तरी अरावली प्रदेश।

255. राजस्थान के किस क्षेत्र में मालवा पठार का विस्तार है-

(a) दक्षिण-पूर्व (b) पूर्वी
(c) दक्षिण-पश्चिमी (d) उत्तर-पूर्वी

JEN Civil Diploma (Tsp Area) 16.10.2016

Ans. (a) मालवा पठार मध्य प्रदेश के पश्चिमी और राजस्थान के दक्षिण-पूर्व भाग में फैला हुआ है। मालवा पठार राजस्थान के झालावाड़ा, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़ एवं कोटा जिलों में फैला हुआ है।

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

256. क्षेत्रफल के अवरोही क्रम में राजस्थान के जिलों का सही अनुक्रम पहचानिए-

(a) कोटा > सिरोही > भरतपुर > बाँसवाड़ा
(b) सिरोही > कोटा > बाँसवाड़ा >भरतपुर
(c) भरतपुर > सिरोही > बाँसवाड़ा > कोटा
(d) बाँसवाड़ा > भरतपुर > सिरोही > कोटा

JEN Civil Degree Exam Date - 16.10.2016

Ans. (a)

जिला	**क्षेत्रफल**
कोटा	5217 वर्ग किमी.
सिरोही	5136 वर्ग किमी.
भरतपुर	5066 वर्ग किमी.
बाँसवाड़ा	5037 वर्ग किमी.

257. असंगत युग्म को छाँटिए-

	पर्वत चोटी	**जिला**
(a)	बीलाली	1. अलवर
(b)	बाबई	2. जयपुर
(c)	कुम्भलगढ़	3. राजसमंद
(d)	भोजागढ़	4. सीकर

JEN Civil Degree Exam Date - 16.10.2016

Ans. (d) सही सुमेलन इस प्रकार है-

पर्वत चोटी	**जिला**
बीलाली	अलवर
बाबई	जयपुर
कुम्भलगढ़	राजसमंद
भोजागढ़	झुंझुनू

258. राजस्थान में सर्वाधिक क्षेत्रीय विस्तार भौतिक प्रदेश है-

(a) पूर्वी मैदान (b) मरुस्थली
(c) अरावली (d) हाड़ौती पठार

JEN Civil Degree Exam Date - 16.10.2016

Ans. (b) सामान्यतया राजस्थान को चार भौगोलिक प्रदेशों में विभक्त किया जाता है जो पश्चिमी मरूस्थलीय प्रदेश, अरावली पर्वतीय प्रदेश, पूर्वी मैदानी प्रदेश एवं दक्षिणी-पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती प्रदेश) हैं। इन भागों में सर्वाधिक क्षेत्रीय विस्तार पश्चिमी मरूस्थलीय प्रदेश का है जो 60% से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है।

259. 'ऊपरमाल' है-

(a) भोराठ का पठारी भाग (b) हाड़ौती का पठारी भाग
(c) आबू का पठारी भाग (d) नागौर का पठारी भाग

JEN Mechanical Degree (Non TSP Area) 21.8.2016

Ans. (b) 'ऊपरमाल' हाड़ौती का पठारी भाग है। यह राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी पठार प्रदेश का हिस्सा है। हाड़ौती पठार को स्थानीय भाषा में 'ऊपरमाल' और पाथेर के नाम से भी जाना जाता है। राजस्थान के झालावाड, प्रतापगढ़, बूँदी, कोटा और बांरा जिले इसी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। यह पठार राज्य के 9.6% क्षेत्र में फैला हुआ है।

260. ऊपरमाल राजस्थान के किस भौतिक प्रदेश का हिस्सा है-

(a) दक्षिणी पर्वतीय (b) दक्षिणी-पूर्वी पठार
(c) करौली पठार (d) नागौर पठार

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016

Ans. (b) उपर्यूक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

261. राजस्थान में ''ऊपरमाल'' के नाम से कौन सा क्षेत्र जाना जाता है?

(a) अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा (b) कोटा, बूँदी, झालावाड़
(c) जोधपुर, जालौर, बाड़मेर (d) सिरोही, पाली, उदयपुर

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) भर्ती परीक्षा- 2020

Ans. (b) उपर्यूक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

262. थार के मरुस्थल की स्थलाकृति किस प्रकार के बालूकास्तूपों से पटी पड़ी है-

(a) पवनानुवर्ती (b) अनुप्रस्थ
(c) बरखान (d) पेरोबोलिक

JEN Mechanical Degree (Non TSP Area) 21.8.2016

Ans. (d) थार के मरुस्थल की अधिकांश 'स्थलाकृति' 'पैरोबोलिव' प्रकार के बालूकास्तूपों से निर्मित है।

बालुका स्तूप अथवा टिब्बाः- वायु द्वारा रेत एवं बालू के निक्षेप से निर्मित टीलों को बालुका स्तूप कहा जाता है। थार मरूस्थल का विस्तार राजस्थाना राज्य में अरावली पहाड़ी के पश्चिमी किनारे पर है। थार मरूस्थल का पश्चिमी भाग अत्यधिक शुष्क है, वहीं पूर्वी भाग में कभी-कभी हल्की वर्षा हो जाती है। यह मरूस्थल बालू के टिब्बों (स्तूप) से ढँका हुआ एक तरंगित मैदान है।

263. मरुस्थलीकरण का प्रसार राजस्थान से किन राज्यों की ओर हो रहा है-

(a) दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश
(b) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात व महाराष्ट्र
(c) दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व मध्य प्रदेश
(d) पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व मध्य प्रदेश

JEN Mechanical Degree Exam Date : 21.8.2016

Ans. (a) मरुस्थलीकरण का प्रसार राजस्थान से दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश की ओर हो रहा है। भारत में मरुस्थलीकरण एवं भूमि अवनयन एटलस का नवीनतम संस्करण 17 जून, 2021 ई. के जारी किया गया। इसे अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र अहमदाबाद द्वारा जारी किया गया।

264. अरावली पर्वत से सम्बद्ध पठार नहीं है-

(a) लासड़िया (b) भोराठ
(c) उड़िया (d) मालवा

JEN Mechanical Degree Exam Date : 21.8.2016

Ans. (d) अरावली पर्वत श्रेणियाँ राजस्थान का एक विशिष्ट भौगोलिक प्रदेश है। अरावली विश्व की प्राचीनतम पर्वत श्रेणी है अरावली पर्वत का राजस्थान में विस्तार सिरोही, उदयपुर, राजसमंद, अजमेर, जयपुर, दौसा एवं अलवर जिले में है। अरावली से संबंधित पठार लासड़िया, भोराठ, उड़िया उपरमाल, आबू का पठार, मेसा, काकनबाड़ी है।

265. राजस्थान के वे जिले जिनकी सम्पूर्ण राजनीतिक सीमा पड़ोसी जिलों की सीमा से लगती है-

(a) राजसमन्द, दौसा (b) बाँसवाड़ा, टोंक
(c) करौली, भीलवाड़ा (d) अजमेर, जयपुर

JEN Mechanical Degree Exam Date : 21.8.2016

Ans. (a) राजसमंद एवं दौसा की सम्पूर्ण राजनीतिक सीमा पड़ोसी जिलों की सीमा से लगती है- दौंसा के पड़ोसी जिले- भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर, जयपुर, एवं अलवर। राजसमंद के पड़ोसी जिले-पाली, उदयपुर, चित्तौड़गढ, भीलवाड़ा एवं अजमेर।

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

266. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(I) अरावली पर्वत श्रेणियाँ विश्व की प्राचीनतम है।
(II) अरावली प्रदेश अधात्विक खनिजों में सम्पन्न है।
(IIII) अरावली राजस्थान में एक जल विभाजक का कार्य करते हैं।

(a) I और II सही है। (b) II और III सही है।
(c) I और III सही है। (d) I, II और III सही है।

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (c) कथन I – अरावली पर्वत श्रेणियाँ विश्व की प्राचीनतम श्रेणियाँ है।
कथन III – अरावली राजस्थान में एक जल विभाजक का कार्य करते हैं। अतः कथन I और III सही है। जबकि अरावली प्रदेश धात्विक खनिजों में सम्पन्न है।

267. निम्नलिखित में से कौन सा (स्थलाकृति -अवस्थिति) सही सुमेलित नहीं है?

(a) भाकर-पूर्वी सिरोही
(b) गिरवा-उदयपुर
(c) भोराट पठार-कुम्भलगढ़ से गोगुन्दा
(d) रामगढ़ पहाड़ी -राजसमन्द

VDO-2021 Exam Date 27.12.2021 Shift-I

Ans. (d) सही सुमेलन है।
(a) पूर्वी सिरोही स्थित अरावली की पहाड़ी को स्थानीय भाषा में भाकर कहते हैं।
(b) गिरवा, उदयपुर जनपद की तहसील है।
(c) कुम्भलगढ़ व गोगुन्दा के मध्य स्थिर पठार को भोराट के नाम से जाना जाता है।
(d) रामगढ़ की पहाड़ी बारां (बूंदी) जनपद दक्षिणी राजस्थान है।

268. विन्ध्य कगार भूमियाँ हिस्सा हैं-

(a) दक्षिणी अरावली शृंखला का
(b) उत्तरी अरावली शृंखला का
(c) दक्षिणी पूर्वी राजस्थान पठार का
(d) माही बेसिन का

VDO-2021 Exam Date 27.12.2021 Shift-II

Ans. (c) विन्ध्य कगार, चंबल और सिंध बेसिन में स्थलाकृति के निशान बलुआ पत्थर द्वारा बनाये गए है। जो दक्षिणी पूर्वी राजस्थान पठार या हड़ौती पठार का हिस्सा है।

269. राजस्थान के भौतिक स्वरूपों के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा/कौनसे कथन सत्य है? नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

1. हाड़ौती पठार पश्चिमोत्तर में मुख्य सीमा भ्रंश द्वारा सीमांकित है।
2. पश्चिमी रेतीले मैदान का 41.50 प्रतिशत क्षेत्र बालुकास्तूप मुक्त प्रदेश है।
3. संरचनात्मक दृष्टि से राजस्थान का भौतिक स्वरूप भारत के उत्तरी बृहत् मैदान और प्रायद्वीपीय पठार का हिस्सा है।
4. अरावली वर्तमान में अवशिष्ट पर्वतों के रूप में उपलब्ध है।

कूट :

(a) 2, 3 और 4 (b) केवल 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

Gram Sevek & Hostel Superintendent Ex. Dt. 18.12.2016

Ans. (a) राजस्थान को चार भौतिक विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत किया गया है-
(i) पश्चिमी रेतीले मैदान
(ii) अरावली रेंज और पहाड़ी क्षेत्र
(iii) पूर्वी मैदान
(iv) दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान का पठार (हातौड़ी का पठार)

- हाड़ौती पठार में राज्य का 9.6% क्षेत्र शामिल है। इसके पूर्व में मालवा का पठार पश्चिम में अरावली पर्वतमाला तथा दक्षिण-पश्चिम में मारवाड़ का पठार है। मेन बाउन्ड्री थ्रस्ट अरावली व हाड़ौती को अलग करती है। अतः कथन 1 गलत है।
- पश्चिमी रेतीले मैदान का 41.50% क्षेत्र रेत के टीलों से मुक्त क्षेत्र है।
- मैदान की दक्षिणी सीमा राज्य में ग्रेट इण्डियन डेजर्ट के किनारे से शुरू होती है तथा पूर्व में मध्य हाइलैंड्स की पहाड़ियों के आधार पर बंगाल की खाड़ी तक जाती है।
- उत्तर पश्चिमी भारत की अरावली पर्वतमाला विश्व की सबसे पुरानी पर्वत श्रेणी है जो अवशिष्ट पर्वतों के रूप में उपलब्ध है।

270. वर्तमान में, निम्न में से राजस्थान के कौन से जिले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन.सी.आर.) में सम्मिलित है?

(a) अलवर एवं जयपुर (b) जयपुर एवं दौसा
(c) भरतपुर एवं धौलपुर (d) अलवर एवं भरतपुर

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (d) वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन.सी.आर.) में राजस्थान के दो जिले अलवर तथा भरतपुर शामिल है। यह क्षेत्रीय विकास का अनूठा उदाहरण है। एन.सी.आर. क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के आठ तथा हरियाणा के 14 चौदह जिले शामिल है।

271. शिवपुरघाट, सूराघाट और देबारी है-

(a) अरावली की नदी घाटियाँ (b) अरावली की दर्रे
(c) खनन केन्द्र (d) नदियों के उद्‌गम

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (b) शिवपुरघाट, सूराघाट एवं देबारी अरावली पहाड़ी के प्रमुख दर्रे हैं। दक्षिणी अरावली के प्रमुख दर्रे- जलवा की नाल है। मध्यवर्ती अरावली क्षेत्र में बर,परवेरियन शिवपुरघाट, सुराघाट, देबारी, झेलवाड़ा, कच्छवाली, पीपली, अनरिया आदि है।

272. जलौर पहाड़ी क्षेत्र का सर्वोच्च शिखर है-

(a) इसराना भाकर (b) रोजा भाकर
(c) झारोला पहाड़ (d) सतूर

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (a) जालौर पहाड़ी क्षेत्र का सर्वोच्च शिक्षर इसराना भाकर है। यह 840 मीटर के लगभग ऊँची है। यह दक्षिणी-पश्चिमी अरावली पर्वत शृंखला पर स्थित है। अरावली शृंखला का सर्वोच्च शिखर गुरूशिखर (1722 मीटर) है जो सिरोही जिले में स्थित है।

273. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(1) मरुस्थलीकरण शुष्क एवं अर्द्ध-शुष्क प्रदेशों में भूमि का अवकर्षण है।
(2) राजस्थान में मरुस्थलीकरण बालुका स्तूपों के स्थरीकरण में सहायक है।
(3) वनोन्मूलन और अत्यधिक पशुचारण राजस्थान में मरुस्थलीकरण के मुख्य कारण है।

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

नीचे दिये गये कोड/कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

(a) 1 और 2 सही (b) 1 और 3 सही
(c) 2 और 3 सही (d) 1, 2 और 3 सही

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (b) दिये गये प्रश्न में कूट 1 एवं 3 सही है। मरुस्थलीकरण के प्रमुख कारण वनोन्मूलन, अत्यधिक पशुचारण, भू-क्षरण, उच्च तापमान, कम वर्षा है। थार मरुस्थल, राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का लगभग 61% भाग है। केन्द्रीय मरु अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में स्थित है।

274. राजस्थान का सबसे ऊँचा पठार है-

(a) भोराठ (b) मेसा
(c) उड़िया (d) लासाड़िया

Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016

Ans. (c) राजस्थान राज्य का सबसे ऊँचा पठार उड़िया पठार है। इसकी समुद्र तल से ऊँचाई 1360 मीटर है। उड़िया का पठार राजस्थान राज्य के सिरोही जिले के माउंट आबू नामक जगह पर स्थित है।

राजस्थान के अन्य प्रसिद्ध पठार है- आबू का पठार, भोराठ का पठार, मेसा का पठार, काकनबाड़ी का पठार आदि।

275. राजस्थान भू-क्षेत्र में अरावली पर्वतमाला की लम्बाई लगभग कितनी है-

(a) 692 किमी. (b) 710 किमी.
(c) 652 किमी. (d) 550 किमी.

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016

Ans. (d) अरावली रेंज का विस्तार गुजरात के हिम्मतनगर से दिल्ली तक लगभग 720किमी. दूरी तक विस्तारित हैं अरावली श्रेणी लाखों वर्ष पुराने है इसका निर्माण भारतीय उपमहादीपय प्लेट के यूरेशियन प्लेट की मुख्य भूमि से टकराने के कारण हुआ है। यह विश्व के पुरोन वलित पर्वतों में से एक है, जो अब एक अवशिष्ट पर्वत के रूप में विद्यमान है, इस श्रेणी की ऊँचाई 300मी.-900मी. के मध्य अरावली रेंज की सबसे ऊँची चोटी माउंट आबू पर स्थित है। गुरू शिखर (1722मी.) हैं अरावली श्रेणी का राजस्थान में विस्तार 550 किमी. है।

276. 'काठल' नाम किससे सम्बन्धित है?

(a) बीकानेर (b) सिरोही
(c) जोधपुर (d) प्रतापगढ़

Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (d) : माही नदी के किनारे-किनारे प्रतापगढ़ का भू-भाग कांठल है। इसलिए माही नदी को कांठल की गंगा भी कहा जाता है। बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ के मध्य का भू-भाग छप्पन का मैदान कहलाता है।

277. **भारत में उपलब्ध निम्न परिस्थितियों में से राजस्थान में सर्वाधिक रूप से उपलब्ध है–**

(a) वायु तापमान में अतिशयता (b) निम्न सापेक्षिक आर्द्रता
(c) वर्षा में बहुत अधिक विषमता (d) सूर्य-धूप की दीर्घावधि

RPSC RAS/RTS 1996

Ans. (d) : राजस्थान की स्थिति 23°3' से 30°12' उत्तरी अक्षांश में है। राजस्थान के दक्षिणी भाग से होकर कर्क रेखा गुजरती है, इस कारण राजस्थान में सर्वाधिक सूर्य की धूप रहती है। राजस्थान का पश्चिमी शुष्क प्रदेश भारत का सबसे अधिक गर्म प्रदेश है।

278. निम्न में से कौन-सा युग्म सही है?

	प्रतिशत मरुस्थल क्षेत्र (राजस्थान)	प्रतिशत जनसंख्या (राजस्थान)
(a)	60	40
(b)	55	45
(c)	40	50
(d)	40	60

RPSC RAS/RTS 1996

Ans. (a) : राजस्थान देश का सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला राज्य है। राजस्थान के सम्पूर्ण क्षेत्रफल (342239 वर्ग किमी0) का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग मरुस्थलीय है। इस मरुस्थलीय क्षेत्र में राजस्थान की कुल संख्या (56507188) में से 40 प्रतिशत जनसंख्या मरुस्थलीय क्षेत्रों में निवास करती है। राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले जिले हैं – श्रीगंगानगर, बाड़मेर, चुरु, जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, जालौर, नागौर तथा पाली।

279. संलग्न राज्यों का जिला जो प्रत्यक्ष राजस्थान को छूता नहीं है–

(a) भटिण्डा (b) भिवानी (c) झाबुआ (d) भुज

उत्तर - (a) **RPSC RAS/RTS 1996**

व्याख्या–पंजाब की भटिण्डा जिले की सीमा राजस्थान को स्पर्श नहीं करती है। भिवानी (हरियाणा), कच्छ (गुजरात), झाबुआ (मध्य प्रदेश) जिले की सीमायें राजस्थान को स्पर्श करती हैं।

280. स्थिति के अनुसार जो युग्म शेष अन्य से भिन्न है, वह है–

(a) अलवर — भरतपुर
(b) बीकानेर — श्रीगंगानगर
(c) जैसलमेर — जालौर
(d) डूंगरपुर — बांसवाड़ा

उत्तर-(c) **RPSC RAS/RTS 1999-2000**

व्याख्या–अलवर, भरतपुर, बीकानेर श्रीगंगानगर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा सीमावर्ती युग्म जिलें हैं। जैसलमेर व जालोर के मध्य बाड़मेर जिला है।

281. जिस राज्य के साथ राजस्थान की सबसे छोटी अंतर्राज्यीय सीमा है, वह है-

(a) गुजरात (b) मध्य प्रदेश (c) हरियाणा (d) पंजाब

उत्तर-(d) **RPSC RAS/RTS 1999-2000**

व्याख्या- राजस्थान राज्य का क्षेत्रफल 342239 वर्ग किमी. है, जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.41 प्रतिशत है। इस राज्य के पश्चिम में पाकिस्तान, पूर्व में उत्तर प्रदेश, उत्तर में पंजाब, उत्तर-पूर्व में हरियाणा व दिल्ली, दक्षिण-पूर्व में मध्य प्रदेश व दक्षिण में गुजरात है। इस राज्य से न्यूनतम सीमा पंजाब राज्य की है तथा अधिकतम सीमा मध्य प्रदेश राज्य की है।

282. राजस्थान में बेकार भूमि का क्षेत्र जिस जिले में सबसे अधिक पाया जाता है, वह है-

(a) जालौर (b) बाड़मेर
(c) पाली (d) जैसलमेर

उत्तर-(d) **RPSC RAS/RTS 1999-2000**

व्याख्या : राजस्थान के जैसलमेर जिले का अधिकांश भाग रेगिस्तानी है और यहां सिंचाई की कोई सुविधा नहीं है। यहां पर मात्र 2-3 सेमी. वर्षा होती है।

283. राजस्थान के भूभाग क्षेत्रफल का कितना भाग रेगिस्तान है?

(a) लगभग एक-चौथाई (b) लगभग एक-तिहाई
(c) लगभग आधा (d) लगभग दो-तिहाई

उत्तर-(d) **RPSC RAS/RTS 2003**

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

व्याख्या— राजस्थान राज्य के सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग दो-तिहाई भू-भाग रेगिस्तानी शुष्क प्रदेश है। राजस्थान के क्षेत्रफल का 57.42 प्रतिशत भू-भाग शुष्क रेगिस्तानी क्षेत्र तथा लगभग 36.67 प्रतिशत भू-भाग अर्द्धशुष्क क्षेत्र है। अरावली पर्वत शृंखला के पश्चिम तथा उत्तर पश्चिम में पाकिस्तानी सीमा तक लगभग 1888.206 वर्ग किमी. थार का रेगिस्तान विस्तृत है। राजस्थान के लगभग 12 जिले मरुस्थलीय क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। अरावली पर्वत शृंखलाएं राजस्थान की महान एवं जल विभाजक हैं। ये पर्वत शृंखलाएं राज्य को दो विशिष्ट भौगोलिक प्रदेशों-मरुस्थलीय एवं गैर मरुस्थलीय में विभक्त करती है।

284. राजस्थान का कौन सा शहर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का अंग है?

(a) अलवर (b) करौली

(c) झुँझुनू (d) पिलानी

उत्तर-(a) **RPSC RAS/RTS 2003**

व्याख्या — राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अंतर्गत राजस्थान के अलवर जिले के अलवर, राजगढ़, तिजारी, किशनगढ़ तथा मुण्डावर तहसीलें बहरोड़ व बानसूर आदि क्षेत्र सम्मिलित किए गए हैं। ये सभी क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से लगे हुए हैं।

285. राजस्थान के किस क्षेत्र में विंध्य पठार विस्तार है?

(a) उत्तर-पूर्व (b) दक्षिण-पूर्व

(c) दक्षिण (d) दक्षिण-पश्चिम

उत्तर-(b) **RPSC RAS/RTS 2003**

व्याख्या- दक्षिण-पूर्वी पठार क्षेत्र का विस्तार कोटा, झालवाड़ा, बूंदी, संवाई माधोपुर, धौलपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़ तथा बांसवाड़ा में है। इसे 'हड़ौती का पठार' कहा जाता है। इस पठार को दो भागों में विभक्त किया गया है-विंध्य पठार एवं दक्कन का लावा पठार। अतः विंध्य पठार का विस्तार द.पू. में है।

286. निम्न में से राजस्थान का कौन सा शहर पाकिस्तानी सीमा के निकट है?

(a) बीकानेर (b) जैसलमेर

(c) श्रीगंगानगर (d) हनुमानगढ़

उत्तर-(c) **RPSC RAS/RTS 2003**

व्याख्या— राजस्थान का श्रीगंगानगर शहर पाकिस्तान की सीमा के निकट स्थित है। जैसलमेर जिले की सीमा पाकिस्तान से लगने वाली सर्वाधिक लम्बी सीमा है। बीकानेर जिले की भी सीमाएँ पाकिस्तान से अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाती है। राजस्थान की कुल 1070 किमी. की सीमा पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से स्पर्श करती है।

287.राजस्थान के किस नगर के सम्बन्ध में कहा जाता है कि केवल पत्थर की टाँगें ही आपको वहाँ ले जा सकती है?

(a) चित्तौड़ (b) जैसलमेर

(c) उदयपुर (d) जोधपुर

उत्तर-(b) **RPSC RAS/RTS 2003**

व्याख्या-राजस्थान का जैसलमेर जिला मरुस्थलीय नगर है। यह पत्थर की जालियों के लिए अग्रणी जिला है। उबड़-खाबड़ रास्ता होने के कारण यहां की यात्रा अत्यधिक कठिन होती है।

288. कौन से जिले में मानव बसावट/संरचना ('ह्युमन सेटलमेंट') का घनत्व अधिकतम् है?

(1) अजमेर (2) बाड़मेर

(3) श्रीगंगानगर (4) सिरोही

उत्तर–(1)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या— प्रश्नकाल के दौरान अजमेर का जनसंख्या घनत्व 257 था। वर्तमान में अजमेर का जनघनत्व 305 है, जबकि सिरोही का जनघनत्व 208, श्रीगंगानगर का 179 तथा बाड़मेर का 92 है।

289. राजस्थान की भौगोलिक पर्यावरण स्थिति तथा संस्कृति को ध्यान में रखते हुए किस 'सेक्टर' को स्वाभाविक नीतिगत प्रमुखता देनी चाहिए ताकि दूरगामी, सतत्शील, सम्मिलित ('इनक्लूजिव'), विकास हो?

(a) पर्यटन (b) पशुपालन

(c) खनन (d) उद्योग

उत्तर–(a)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या— राजस्थान की भौगोलिक पर्यावरण स्थिति तथा संस्कृति को ध्यान में रखते हुए पर्यटन 'सेक्टर' को स्वाभाविक नीतिगत प्रमुखता देनी चाहिए ताकि दूरगामी, सतत्शील, सम्मिलित ('इनक्लूजिव'), विकास हो।

290. राजस्थान में संलग्न जिले हैं–

(a) सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर (b) झालावाड़, बूंदी, टोंक

(c) सिरोही, पाली, नागौर (d) चूरु, झुंझनू, जयपुर

उत्तर–(c)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—राजस्थान राज्य में सिरोही, पाली तथा नागौर जिले भौगोलिक दृष्टि से एक दूसरे से संलग्न हैं। इन तीनों जिलों की सीमाएँ एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं।

291.खारिया, रासवानी, शोभाला एवं उदीसभार है –

(a) शराब की किस्में (b) कुचामणी ख्याल के कलाकार

(c) बाड़मेर जिले के गांव (d) कोटा डोरिया साड़ी की किस्में

उत्तर – (c)

RPSC RAS/RTS 2008

व्याख्या — खारिया, रासवानी, शोभाला एवं उदीसभार बाड़मेर जिले के गांव है।

292.राजस्थान में किस शहर को 'सन सिटी' के नाम से जाना जाता है?

(a) जोधपुर (b) उदयपुर

(c) बीकानेर (d) जैसलमेर

उत्तर – (a)

RPSC RAS/RTS 2008

व्याख्या — जोधपुर को 'थार मरुस्थल का प्रवेश द्वार' तथा सूर्य नगरी (Sun City) भी कहते हैं। इस शहर की स्थापना का श्रेय राव जोधा जी को प्राप्त है। यहां प्रतिवर्ष मारवाड़ महोत्सव लगता है। धावा वन्य जीव अभ्यारण्य यहीं अवस्थित है।

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

Nitin-Gupta.com

293.राजस्थान में मानसून वर्षा किस दिशा में बढ़ती है?

(a) दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व (b) दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम
(c) उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व (d) दक्षिण से उत्तर

उत्तर – (c)

RPSC RAS/RTS 2008

व्याख्या — राजस्थान में मानसून वर्षा उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व दिशा में बढ़ती है। क्योंकि राजस्थान राज्य में वार्षिक वर्षा में क्षेत्रानुसार काफी भिन्नता है।

294. उत्तर-दक्षिण विस्तार जिस जिले का है, वह है –

(a) झालावाड़ (b) भीलवाड़ा
(c) चित्तौड़गढ़ (d) झुन्झुनू

उत्तर : (c)

RPSC RAS/RTS 2009

व्याख्या – उत्तर से दक्षिण विस्तार सबसे अधिक चित्तौड़गढ़ जिले का है, जो उत्तर में कपासन से लेकर दक्षिण में निम्बाहेड़ा तक फैला है।

295. राजस्थान में जून माह में न्यूनतम वायुदाब जिस जिले में सम्भावित है, वह है –

(a) बून्दी (b) बारां (c) जैसलमेर (d) राजसमन्द

उत्तर : (c)

RPSC RAS/RTS 2009

व्याख्या – राजस्थान में हवाएं प्रायः दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम की ओर से चला करती हैं। जून महीने में हवाएं सबसे हल्की होती हैं। अतः जैसलमेर में इस समय भयंकर गर्मी पड़ने के कारण न्यूनतम वायुदाब रहता है।

296. धामण, करड़ एवं अंजन है –

(a) राजस्थान में भेड़ों की किस्में
(b) गुजरात के अरण्डी बीज की किस्में
(c) राजस्थान में घास की किस्में
(d) गवरी नृत्य के तीन नायक

उत्तर : (c)

RPSC RAS/RTS 2009

व्याख्या – राजस्थान एक शुष्क मरूस्थलीय क्षेत्र है। यहां के जंगलों में वृक्षों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की घासें पाई जाती हैं। जिनका उपयोग छप्पर बनाने, टटिया बनाने में किया जाता है। धामण, करड़ एवं अंजन राजस्थान में घास की किस्में हैं।

297.निम्न शहरों का औसत मासिक तापमान का वितरण बहुरेख आलेख (i), (ii), (iii) एवं (iv) से दर्शाया गया है –

(a) गंगानगर (b) जयपुर
(c) कोटा (d) माउन्ट आबू

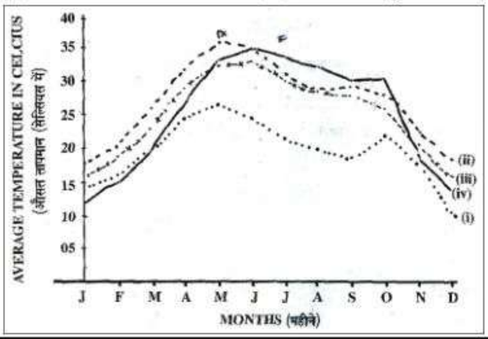

निम्न कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए –

कूट :

(a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(iv)
(b) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(i)
(c) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(iv)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)

उत्तर – (d)

298. राजस्थान के निम्नलिखित जिलों को पूर्व से पश्चिम की ओर सही क्रम से व्यवस्थित करें :

A. बूंदी B. अजमेर
C. उदयपुर D. नागौर

कूट :

(a) A, B, C, D (b) B, A, C, D
(c) A, B, D, C (d) A, C, B, D

उत्तर (c)

RPSC RAS/RTS 2016

व्याख्या- राजस्थान के प्रश्नगत जिलों का पूर्व से पश्चिम की ओर सही क्रम इस प्रकार होगा- बूंदी, अजमेर, नागौर और उदयपुर।

(ii) राजस्थान में प्रमुख मृदा संसाधन

299. राजस्थान के किस भाग में 'एण्टीसोल्स' मृदा पायी जाती है?

(a) पश्चिमी
(b) दक्षिणी
(c) दक्षिणी पूर्वी
(d) पूर्वी

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (a) : वर्ष 1976 में मृदा सर्वेक्षण द्वारा राजस्थान में 5 प्रकार की मृदा का वर्गीकरण किया गया। जो एरिडीसोल, अल्फीसोल्स, एंटीसोल, एन्सेप्टीसोल एवं वर्टिसोल में विभाजित है। एन्टीसोल हल्के पीले एवं भूरे रंग की मृदा है। यह मृदा पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में पायी जाती है। एरिडीसोल मृदा चुरु, सीकर, झुंझुनू, नागौर, जोधपुर, पाली और जालौर जिलों में मिलती है।

300. राजस्थान के किस जिले में, जिप्सीफेरम मृदा मिलती है?

(a) अलवर (b) जोधपुर
(c) बीकानेर (d) पाली

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (c) : राजस्थान के बीकानेर जिले में, जिप्सीफेरस मृदा पायी जाती है। इस तरह की मिट्टी पश्चिमी राजस्थान के मरुस्थली प्रदेश में विस्तृत है। इसमें नाइट्रोजन व कार्बनिक लवणों व जैविक पदार्थों का अभाव होता है परन्तु कैल्सियम व फॉस्फेट की मात्रा पर्याप्त होती है। यह मृदा पानी की उपलब्धता पर अच्छी फसल देती है।

301. अल्फीसोल्स मृदा पायी जाती है-

(a) जयपुर, दौसा, अलवर में
(b) कोटा, बारां, बूंदी में
(c) सिरोही, पाली में
(d) जैसलमेर, बाड़मेर में

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-B

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

Ans. (a) : एल्फीसोल्स मृदा राजस्थान के अलवर, भरतपुर, जयपुर दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, बांसवाड़ा भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ बूंदी टोंक इत्यादि जिलो में विस्तृत है। यह मृदा वर्ग पूर्ण रूप से विकसित है तथा इसमें आर्जिलिक मृदा संस्तर पाया जाता हैं।

302. राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में 'इन्सेप्टीसोल्स मृदा' पायी जाती है?

(a) कोटा, बूंदी और बारां
(b) पाली, भीलवाड़ा और सिरोही
(c) जयपुर, दौसा और अलवर
(d) जैसलमेर, बाड़मेर और बीकानेर

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (b) : इनसेप्टीसोल्स मृदा वर्ग अरावली पहाड़ियों की तलहटी में अलवर, सिरोही, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा जिलों में पाई जाती है। यह मृदा अर्द्धशुष्क से आर्द्र जलवायु तक के क्षेत्र में पायी जाती है।

303. कौन सी मृदा को ऊसर, रेह, अल्कलाईन आदि के रूप में भी जाना जाता है?

(a) भूरी मिट्टी (b) लाल मिट्टी
(c) लवणीय मिट्टी (d) जलोढ़ मिट्टी

संगणक भर्ती परीक्षा- 2018 (5 मई, 2018)

Ans. (c) लवणीय/नमकीन मृदा को ऊसर, रेह, अल्कालाईन आदि के रूप में भी जाना जाता है। ये मिट्टी शुष्क जलवायु परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में विकसित हुई है। रेगिस्तानी मिट्टी के क्षेत्रों की तुलना में थोड़ी अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में इस स्थिति में केशिका क्रिया द्वारा सोडियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम के लवण मिट्टी के ऊपरी परत पर जमा हो जाते हैं। गंगानगर, भरतपुर व कोटा जिलों में अधिक सिंचाई वाले भागों में भी लवणीय मिट्टीयाँ पाई जाती है।

304. जिप्सीफेरस मिट्टी राजस्थान के किस जिले में मिलती है?

(a) बीकानेर
(b) कोटा
(c) करौली
(d) डूंगरपुर

Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022

Ans. (a) : जिप्सीफेरस मिट्टी राजस्थान के बीकानेर जिले में पाई जाती है। इस मिट्टी में जिपसम एवं लोहे की मात्रा सर्वाधिक पाई जाती है।

305. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है-

(a) उदयपुर-चित्तौड़गढ़---लाल-काली मिट्टी
(b) अलवर-जयपुर-दोमट मिट्टी
(c) श्रीगंगानगर -हनुमानगढ़-भूरी बलुई मिट्टी
(d) कोटा-झालावाड़-काली मिट्टी

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Ans. (c) राजस्थान में भूरी बलुई मिट्टी मुख्य रूप से सीकर, चुरू, झुंझुनू, नागौर, पाली, जालौर में विस्तृत है। इस मिट्टी में नाइट्रोजन एवं कार्बनिक पदार्थों की कमी एवं फास्फेट तत्वों की प्रधानता पायी जाती है। इस मिट्टी में ज्वार, बाजरा, मक्का, ईसबगोल, जीरा, मेंहदी, सरसों, जौ, गेहूँ का उत्पादन होता है। अन्य सभी विकल्प सुमेलित है।

306. पाली, नागौर तथा अजमेर जिलों में किस प्रकार की मृदा पाई जाती है।

(a) पीली-भूरी
(b) धूसर-भूरी (ग्रे-ब्राउन) जलोढ़
(c) लाल दोमट
(d) गहरी मध्यम काली

सहायक सांख्यिकी अधिकारी, 2018

Ans. (a) : पीली-भूरी रेतीली मिट्टी पाली, नागौर, अजमेर जिलों में पाई जाती है। इसे सीरोजम तथा स्टेपी मिट्टी भी कहते हैं। इस मिट्टी में रेत व दोमट मिट्टी का मिश्रण होता हैं इसे स्टेपी मृदा भी कहा जाता हैं यह कृषि के लिए उत्तम मृदा है।

307. मृदा संरक्षण की प्रमुख विधि कौन सी नहीं है?

(a) फसल चक्रीकरण
(b) रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग
(c) पट्टीदार कृषि
(d) पशुचारण पर नियंत्रण

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I

Ans. (b) : रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग मृदा संरक्षण की विधि नहीं है। मृदा अपरदन की मात्रा को कम करने के लिए किया जाने वाला प्रभावशाली कार्य मृदा संरक्षण कहलाता है। मृदा संरक्षण की प्रमुख विधियां हैं–

- वन संरक्षण
- वृक्षारोपण
- फसल चक्रीकरण
- पट्टीदार कृषि
- पशुचारण पर नियंत्रण

308. निम्नलिखित को मिलाएं-

सूची-I (मृदा राजस्थान)		सूची-II (जिले)
(a) लाल रेतीली मिट्टी	(i)	पाली, सिरोही, सीकर, झुंझुनू
(b) पीली, भूरी रेतीली मिट्टी	(ii)	नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर
(c) लवणीय मिट्टी	(iii)	नागौर, पाली
(d) भूरी रेतीली मिट्टी	(iv)	नागौर, जोधपुर, पाली, जालौर, चुरू और झुंझुनू

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	ii	ii	iv
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	iv	iv	i	ii
(d)	ii	iv	i	ii

RPSC Librarian Gr-III 11-09-2022 Shift-I

Ans. (b) सही सुमेलित है-

सूची-I (मृदा राजस्थान)		सूची-II (जिले)
लाल रेतीली मिट्टी		नागौर, जोधपुर, पाली, जालौर, चुरू, झुंझुनू
पीली, भूरी रेतीली मिट्टी		नागौर, पाली
लवणीय मिट्टी		नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर
भूरी रेतीली मिट्टी		पाली, सिरोही, सीकर, झुंझुनूं

309. राजस्थान के किन जिलों में मध्यम काली मिट्टी पाई जाती है?

(a) कोटा-बूंदी-झालावाड़
(b) उदयपुर–डूंगरपुर-बांसवाड़ा
(c) टोंक-अजमेर-पाली
(d) चुरू-झुंझुनू-सीकर

RPSC Librarian Gr-III 11-09-2022 Shift-I

Ans. (a) : राजस्थान में मध्यम काली मिट्टी मुख्यतः कोटा, बूंदी, झालवाड़ और बारां जिलों में पायी जाती है। इस मिट्टी का निर्माण लावा पदार्थों से हुआ है। इन मिट्टियो में फॉस्फेट, नाइट्रोजन और पोटाश की पर्याप्त मात्रा होती है। यह मिट्टी कपास की खेती के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होती है।

310. कोटा,बूंदी, झालावाड़ में कौनसी मृदा पायी जाती है?

(a) लाल एवं पीली मृदा
(b) मरूस्थली मृदा
(c) लाल एवं काली मिश्रित मृदा
(d) मध्यम काली मृदा

वन रक्षक-2020 दिनांक 12-11-2022 Shift-I

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

311. दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में इनमें से कौन-सी मृदा की प्रधानता है?

(a) लाल मृदा
(b) भूरी रेतीली मृदा
(c) मध्यम काली मृदा
(d) लाल एवं पीली मृदा

RPSC-2011

Ans. (c) : दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में "मध्यम काली मृदा" की प्रधानता है। इसमें राजस्थान के दक्षिणी पूर्वी जिले कोटा, बूंदी, बारां शामिल है। इस प्रकार की मिट्टी में चूना, फास्फोरिक अम्ल और हयूमस की कमी होती है। इस मिट्टी में गेहूँ,चावल,कपास और तांबाकू सहित कई प्रकार की फसले उगाई जाती है।

312. पाली, नागौर तथा अजमेर जिलों में किस प्रकार की मृदा पाई जाती है?

(a) पीली-भूरी
(b) धूसर-भूरी(ग्रे-ब्राउन)जलोढ़
(c) लाल दोमट
(d) गहरी मध्यम काली

RPSC-2018

Ans. (a) : पाली, नागौर तथा अजमेर जिलों में पीली-भूरी रेतीली मिट्टी पाई जाती है। इस मिट्टी में रेत व बालू दोमट का मिश्रण होता है। इसे स्टेपी मिट्टी भी कहते हैं। यह कृषि के लिए उत्तम होती है।

313. निम्न में से कौन सा राजस्थान के बांगर प्रदेश का भाग नहीं है?

(a) शेखावाटी
(b) घग्घर बेसिन
(c) बनास बेसिन
(d) गोडवार बेसिन

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I

Ans. (c) : बनास बेसिन राजस्थान के बांगर प्रदेश का भाग नहीं है। पश्चिमी रेतीले मैदान एवं अरावली पर्वतमाला के मध्य विस्तृत अर्द्धशुष्क मैदान को 'राजस्थान बांगर' कहते हैं, वास्तव में यह एक अर्द्धस्थलीय क्षेत्र है। राजस्थान बांगर को चार उपविभागों में बाँटा जा सकता है–

1. गोडवाड़ बेसिन (लूनी बेसिन)
2. घग्घर बेसिन
3. शेखावटी क्षेत्र
4. नागौर उच्च भूमि

314. उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में मृदा उर्वरता में अवनयन का प्रमुख क्या कारण है?

(a) गहन कृषि
(b) जल-भराव
(c) पवन अपरदन
(d) नाली अपरदन

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 (06.11.2022)

Ans. (b) : उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में मृदा उर्वरता में अवनयन का प्रमुख कारण जल-भराव है। जल-भराव के कारण पोषक तत्व उपस्थित नही रह पाते जिससे मृदा उर्वरता में कमी आ जाती है।

315. लाल व पीली मिट्टी वाला जिलों का युग्म है–

(a) भरतपुर – धौलपुर
(b) झालावाड़ – बारां
(c) श्रीगंगानगर – हनुमानगढ़
(d) सवाई माधोपुर – राजसमन्द

Lab Asst. (Science) (II Step) 29.06.2022 Shift-I

Ans. (d) : प्रश्नगत विकल्पों में से लाल व पीली मिट्टी वाले जिलों का युग्म सवाई माधोपुर-राजसमन्द है। मिट्टी का लाल व पीला रंग लौह ऑक्साइड के जलयोजन की उच्च मात्रा के कारण होता है। लाल व पीली मिट्टी में नाइट्रोजन एवं जैविक कारकों की अल्पता होती है तथा कैल्शियम कार्बोनेट नगण्य होता है। राजस्थान में यह मिट्टी सवाई माधोपुर, राजसमन्द, भीलवाड़ा, अजमेर व सिरोही जिलों में पायी जाती है।

316. मरुस्थलीय क्षेत्र में मिट्टी के अपरदन को रोकने के लिये क्या किया जाना चाहिये?

(a) फसलों के हेर-फेर अपनाना
(b) वृक्षों की पट्टी लगाना
(c) खेतों में मेड़बन्दी करना
(d) चारागाहों को विकसित करना

Lab Asst. (Science) (II Step) 29.06.2022 Shift-I

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

Ans. (b) : मरुस्थलीय क्षेत्रों में मिट्टी के अपरदन को रोकने के लिए वृक्षों की पट्टियाँ लगाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि मृदा अपरदन को रोकने के लिए उसका संरक्षण अति आवश्यक होता है। पर्वतीय भागों में सीढ़ीनुमा खेती, मरुस्थलीय भागों में वृक्षों की पट्टियां लगाना, पशुचारण में कमी लाना, समोच्चरेखीय जुताई और मेड़बन्दी, वनारोपण आदि मृदा संरक्षण के प्रमुख उपाय है।

317. राजस्थान के कौन से प्रदेश में 'एंटीसोल' समूह की मृदा पाई जाती है?

(a) पूर्वी (b) पश्चिमी
(c) दक्षिणी (d) दक्षिण-पूर्वी

RPSC RAS/RTS 2012
Lab Asst. (Science) (II Step) 29.06.2022 Shift-I
कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020

Ans. (b) : एंटीसोल (Entisol) समूह की मृदा पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में पाई जाती है। एंटीसोल मृदा का एक ऐसा वर्ग है जिसके अंतर्गत भिन्न प्रकार की जलवायु में स्थित मृदाओं का समावेश होता है। इस मिट्टी का रंग प्रायः हल्का पीला व भूरा होता है।

318. निम्न मृदाओं में से कौन सा प्रकार पश्चिमी राजस्थान में विशिष्टतः पाया जाता है?

(a) एरिडीसॉल्स (b) अल्फीसॉल्स
(c) एन्टीसॉल्स (d) वर्टीसॉल्स

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

319. राजस्थान के किस प्रदेश में 'एंटीसोल्स' समूह की मृदा पाई जाती है?

(a) पश्चिमी (b) पूर्वी
(c) दक्षिणी (d) दक्षिण-पूर्वी

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (a) एंटीसोल मृदा समूह पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में पाई जाती है।

320. राजस्थान के किस जिले में जलोढ़ मृदा पायी जाती है?

(a) नागौर (b) भरतपुर
(c) बाड़मेर (d) जैसलमेर

Head Cleark Combined Exam-2018

Ans. (b) : राजस्थान के भरतपुर जिले में जलोढ़ मृदा पायी जाती है। जलोढ़ मिट्टी नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी होती है। जलोढ़ मिट्टी अलवर, जयपुर, अजमेर, टोंक, सवाई माधोपुर, भरतपुर व कोटा जिलों में पायी जाती है।

321. भारतीय मौसम विभाग की वेधशाला राजस्थान में कहाँ स्थित है?

(a) माउण्ट आबू (b) जयपुर
(c) कोटा (d) जोधपुर

JEN (Civil) Degree 2020 Date 12.09.2021

Ans. (b) : राजस्थान में भारतीय मौसम की वेधशाला जयपुर में स्थित है। भारतीय मौसम विभाग, भारत सरकार के पृथ्वी मंत्रालय के अधीन काम करता है।

322. निम्न में से कौन-सा एक मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है?

(a) कठोर मौसमी परिस्थितियाँ
(b) बढ़ती आबादी
(c) वनोन्मूलन
(d) अम्लीय भूमि का प्रयोग करना

Udyog Nirikshak Exam (Code-38)-2018

Ans. (d) : मरुस्थलीकरण के प्राकृतिक एवं मानवीय कारणों में मुख्य रूप से वनों की अत्यधिक कटाई, अधिक चराई, बढ़ती आबादी से अधिक खेती, कठोर मौसमी परिस्थितियाँ, वैश्विक जलवायु का बढ़ना एवं भूजल का अत्यधिक दोहन इत्यादि है। अम्लीय भूमि के प्रयोग करने से मरुस्थलीकरण नहीं होता है।

323. राजस्थान में मृदा और जल संरक्षण के लिए पारंपरिक प्रथा है:

(a) खेत तालाब (b) खडीन
(c) चैक डैम (d) गली प्लग

Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (b) : राजस्थान में मृदा और जल संरक्षण के लिए पारंपरिक प्रथा खडीन है। इसका विकास 15वीं सदी में जैसलमेर के पालीवाल ब्राह्मणों ने किया। यह मिट्टी का बना अस्थायी बाँधनुमा तालाब होता है।

324. राजस्थान के किन जिलों में लाल व पीली मृदा पाई जाती है?

(a) सिरोही-अजमेर-टोंक-जयपुर
(b) सवाई माधोपुर-कोटा-बूंदी-भीलवाड़ा
(c) अजमेर-सिरोही-डूंगरपुर-बांसवाड़ा
(d) सवाई माधोपुर-सिरोही-भीलवाड़ा-अजमेर

Basic Computer Anudeshak-18.06.2022
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम)-2019
कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020
हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018

Ans. (d) : लाल-पीली मिट्टी का निर्माण ग्रेनाइट, शिष्ट नीस आदि के टूटने से हुआ है। इस मिट्टी का प्रसार सवाई माधोपुर, सिरोही, भीलवाड़ा और अजमेर में विस्तारित है। राजस्थान में निम्नलिखित प्रकार की मिट्टियाँ पाई जाती है-रेतीली, बलुई, मरूस्थलीय मिट्टी, भूरी रेतीली मिट्टी, लवणीय मिट्टी, लाल-लोमी मिट्टी आदि।

325. वर्टीसोल्स मृदा किन जिलों में पाई जाती है?

(a) अलवर, जयपुर और दौसा
(b) उदयपुर, राजसमन्द और अजमेर
(c) जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर
(d) झालावाड़, कोटा और बूंदी

Gram Vikash Adhikari (Mukhya Pariksha) 09-07-22
Agriculture Superviser 2021
कृषि पर्यवेक्षक -2021
सहायक अग्निशमन अधिकारी (एएफओ) -2021
पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (d) : वर्टीसोल्स (चिकनी) मृदा राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी भाग झालावाड़, कोटा और बूंदी में अधिकांशतः पायी जाती है। यह चिकनी मिट्टी होती है। सूखने पर गहरी चौड़ी दरारें बनती है। जबकि गीली होने पर चिपचिपी और प्लास्टिक जैसे चिकनी और चिपचिपी हो जाती है। राजस्थान की मिट्टी उस्टर्स (Usterts) के उप-क्रम के अन्तर्गत आती है और दो महान समूहों से जुड़ी हुई है। (i) क्रोमस्टर्स (ii) पेलस्टर्ट्स

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

326. **वर्टीसोल्स मिट्टी राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में नहीं पाई जाती-**
(a) झलावाड़, बारां
(b) कोटा, भरतपुर
(c) बूँदी, बाँसवाड़ा
(d) धौलपुर, करौली

JEN Civil Diploma 21.08.2016

Ans. (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

327. **निम्नलिखित में से कौन-सा (मिट्टी-जिले) सुमेलित नहीं है?**
(a) मध्यम काली-बूंदी, बारां
(b) लाल लोमी - डूंगरपुर, उदयपुर
(c) लाल और पीली-झालावाड़, कोटा
(d) भूरी रेतीली कछारी- भरतपुर, अलवर

कनिष्ठ अभियन्ता (डिप्लोमाधारक)-10-05-2022

Ans. (c) : राजस्थान में पाई जाने वाली मिट्टियों और जिलों का सही सुमेलन इस प्रकार है।

(i)	मध्यम काली मिट्टी -	बूंदी, बारां
(ii)	लाल लोमी मिट्टी -	डूंगरपुर, उदयपुर
(iii)	लाल और पीली मिट्टी -	सिरोही, भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर, अजमेर
(iv)	भूरी रेतीली कछारी मिट्टी -	भरतपुर, अलवर

328. **मृदा के नवी वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान में 'अल्फीसोल्स' मृदा पायी जाती है-**
(a) जयपुर, अलवर और सीकर में
(b) चुरू, झुंझुनू और बाड़मेर में
(c) जैसलमेर और बाड़मेर में
(d) प्रतापगढ़ और सिरोही में

Gram Vikash Adhikari (Mukhya Pariksha) 09-07-22

Ans. (a) : राजस्थान में "अल्फीसोल्स" मृदा समूह जयपुर, अलवर, कोटा, भरतपुर, बूंदी, सवाई माधोपुर, टोंक, उदयपुर आदि जिलों में पाई जाती है। अल्फीसोल्स मृदा पूर्णरूप से विकसित है तथा इसमें आर्जिलिक मृदा संस्तर पाया जाता है।

329. **राजस्थान के रेतीले शुष्क मैदान तथा अर्द्ध-शुष्क संक्रमणकालीन मैदानों को कौन सी समवर्षा रेखा अलग करती है?**
(a) 10 सेमी.
(b) 50 सेमी.
(c) 75 सेमी.
(d) 25 सेमी.

Gram Vikash Adhikari (Mukhya Pariksha) 09-07-22

Ans. (d) : राजस्थान के रेतीले शुष्क तथा अर्द्ध-शुष्क संक्रमणकालीन मैदानों को 25 सेमी. समवर्षा रेखा अलग करती है। राजस्थान को जलवायु की दृष्टि से पाँच भागों में वर्गीकृत किया गया है-
(i) शुष्क जलवायु प्रदेश (0-20 cm)
(ii) अर्द्ध शुष्क जलवायु प्रदेश (20-40 cm)
(iii) उपआर्द्ध जलवायु प्रदेश (40-60 cm)
(iv) आर्द्र जलवायु प्रदेश (60–80 cm)
(v) अति आर्द्र जलवायु प्रदेश (80-100 cm)

330. **लाल दोमट प्रकार की मिट्टी राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में पाई जाती है?**
(a) नागौर (b) जालौर
(c) जोधपुर (d) बांसवाड़ा

Pashudhan Sahayak Date. 04.06.2022

Ans. (d) : लाल दोमट मिट्टी राजस्थान राज्य के उदयपुर, डूंगरपुर तथा बांसवाड़ा जिले में पाई जाती है। इसमें लौह ऑक्साइड, चूना, पोटाश और फास्फोरस कम मात्रा में पाई जाती है। लौह अंश के कारण इसका रंग लाल होता है। इस मृदा में मक्का, चावल व गन्ना आदि का उत्पादन होता है।

331. **राजस्थान में लाल लोम मृदा पायी जाती है :**
(a) सिरोही में (b) पाली में
(c) उदयपुर में (d) जालौर में

Prayogshala Sahayak (Geography)-30.06.2022

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

332. **राजस्थान में निम्नलिखित कौन से जिलों में लाल लोमी मिट्टी पायी जाती है?**
(a) सिरोही एवं पाली
(b) डूंगरपुर एवं उदयपुर
(c) कोटा एवं बूंदी
(d) सवाई माधोपुर एवं करौली

पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

333. **लाल दोमट मिट्टी राजस्थान में पाई जाती है-**
(a) डूंगरपुर- बांसवाड़ा
(b) सीकर- कोटा
(c) बारां- झालावाड़
(d) बूंदी-भीलवाड़ा

LDC Exam 09.09.2018
कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022
JEN Mechanical Degree Exam Date : 21.8.2016

Ans. (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

334. **अर्धशुष्क पूर्वी मैदानी कृषि जलवायु उपखण्ड में सम्मिलित है-**
(a) उदयपुर व भीलवाड़ा
(b) डूंगरपुर व बांसवाड़ा
(c) जयपुर, अजमेर, टोंक व दौसा
(d) अलवर, भरतपुर व धौलपुर

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III परीक्षा तिथि:19-09-2020

Ans. (c) राजस्थान राज्य को 10 कृषि जलवायु प्रदेशों में बांटा गया है। जिसमें अर्धशुष्क पूर्वी मैदानी कृषि जलवायु उपखण्ड के अंतर्गत राजस्थान के चार जिले जयपुर, अजमेर, टोंक तथा दौसा आते हैं। इस जलवायु प्रदेश के अंतर्गत 500-700mm वर्षा होती है। राजस्थान का सबसे छोटा कृषि जलवायु प्रदेश आर्द्र दक्षिणी मैदान है जबकि सबसे बड़ा कृषि जलवायु प्रदेश अति शुष्क आंशिक सिंचित प्रदेश है।

335. **राजस्थान के नागौर, पाली, जोधपुर और बाड़मेर जिलों में मुख्य रूप से कौनसी मिट्टी पायी जाती है?**

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

(a) काली मृदा
(b) लाल मृदा
(c) लाल-पीली मृदा
(d) बलुई मृदा/मरुस्थली मृदा

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III परीक्षा तिथि:19-09-2020
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (d) बलुई मृदा/मरुस्थली मृदा का विस्तार मुख्य रूप से राजस्थान के नागौर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर व बीकानेर जिलों में पाया जाता है। इस मिट्टी के कण मोटे होने के कारण इसमें जल धारण क्षमता सबसे कम पायी जाती है। इसमें नाइट्रोजन व कार्बनिक पदार्थों की कमी लेकिन कैल्शियम के तत्व की प्रधानता पायी जाती है इस मिट्टी में मुख्य रूप से मोटे अनाज जैसे- ज्वार,मोठ, बाजरा आदि का उत्पादन होता है।

336. निम्न में से कौन सा समतल उच्चमैदान हैरोन महोदय द्वारा 'तृतीय पेनिप्लेन' के रूप में पहचाना गया?
(a) मेवाड़ मैदान
(b) छप्पन मैदान
(c) मालपुरा-करौली मैदान
(d) बनास मैदान

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III परीक्षा तिथि:19-09-2020

Ans. (d) बनास समतल उच्च मैदान हैरोन महोदय द्वारा तृतीय पेनीप्लेन के रूप में पहचाना गया। राजस्थान के राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, जयपुर, अजमेर, सवाई माधोपुर तथा करौली जिलों में बनास बेसिन विस्तृत है। राजस्थान में बिल्कुल समतल मैदान (पेनीप्लेन) का सबसे सुन्दर उदाहरण बनास बेसिन को माना जाता है।

337. मरुस्थलीकरण के विस्तार से संरक्षण की कौन सी तकनीकी सबसे उपयुक्त है?
(a) मृदा नमी का संरक्षण
(b) भूमिगत जल भरण/पुनर्भरण
(c) बालुका स्तूप स्थिरीकरण
(d) वातरोधी वृक्षारोपणपट्टी

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III परीक्षा तिथि:19-09-2020

Ans. (d) मरूस्थलीकरण एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिविधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध शुष्क और निर्जल अर्ध-नम इलाकों की जमीन रेगिस्तान में बदल जाती है। इससे जमीन की उत्पादन क्षमता में कमी और ह्रास होता हैं। वातरोधी वृक्षारोपणपट्टी का उपयोग कर मरूस्थलीकरण के विस्तार को रोका जा सकता है। रक्षक पट्टियों से हवा की रफ्तार 20-46 प्रतिशत तक कम हो जाती है तथा जमीन में नमी 14 प्रतिशत अधिक होती है।

338. राजस्थान की मिट्टी के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है? नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर दीजिए।
(i) थार मरुस्थल में ग्रेनाइट और बलुआ पत्थर शैलों से बलुई मिट्टी का निर्माण हुआ है।
(ii) दक्षिणी भाग में ग्रेनाइट,नीस और क्वार्ट्जाइट शैलों में लाल लोमी मिट्टी का निर्माण हुआ।
(iii) दक्षिणी-पूर्वी भाग में बेसाल्ट लावा के क्षरण से काली मिट्टी का निर्माण हुआ है।
(iv)) दक्षिणी-पूर्वी भाग में फास्फेटिक शैलों के क्षरण से मिश्रित लाल मिट्टी का निर्माण हुआ है।
(a) (i), (ii) एवं (iv)
(b) (ii) , (iii) एवं (iv)
(c) (i), (ii)) एवं (iii)
(d) (iii)) एवं (iv)

Librarian Exam Date-13.11.2016
Patwar Pre Exam 13.02.2016

Ans. (c) राजस्थान के दक्षिण भाग में लाल मिट्टी का निर्माण जलवायु परिवर्तन की वजह से रवेदार और कायांतरित शैलों के विघटन और वियोजन से होता है। इस मिट्टी में सिलिका एवं आयरन की बहुलता है। लाल मिट्टी का लाल रंग दिखाई देती है। अन्य कथन राजस्थान की मिट्टियों के बारे में सत्य है।

339. वह स्थान, जो अपने मृदा शिल्प (टेराकोटा) के लिए प्रसिद्ध है-
(a) मोलेला
(b) कैथून
(c) बगरु
(d) सांगानेर

RPSC RAS/RTS 2015
पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) राजसमन्द जिले के मोलेला गाँव की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान माटी से लोक देवी-देवताओं की हिंगाण (देवताओं की मूर्तियाँ) बनाने के रूप में है। इस मोलेला गाँव का मृदा शिल्प विश्व प्रसिद्ध है।

340. वह फसल जो मृदा में नाइट्रोजन की वृद्धि करती है, वह है-
(a) चावल
(b) गेहूँ
(c) दाल
(d) गन्ना

लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा 2018

Ans. (c)– दलहनी फसलें मृदा स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण योगदान करती है। दलहनी फसलों की जड़ ग्रंथियों में राइजोबियम बैक्टीरिया पाया जाता है, जो इन फसलों की जड़ों में सहजीवी संबंध बना कर वायुमंडलीय नाइट्रोजन का मृदा में स्थिरीकरण करते हैं। इससे मृदा में नाइट्रोजन की मात्रा में वृद्धि होती है।

341. राजस्थान में मरुस्थलीकरण का मूल कारण क्या है-
(a) भूमिगत जल की लवणता
(b) अनियन्त्रित खनन
(c) वर्षा की न्यूनता
(d) जलवायु परिवर्तन

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Ans. (c) UNCCD मरूस्थलीकरण को जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों सहित विभिन्न कारकों के परिणामस्वरूप शुष्क, अर्ध-शुष्क और उप-आर्द्र क्षेत्रों में भूमि-क्षरण के रूप में परिभाषित करता है। मुख्य रूप से वर्षा और सतही अपवाह के अभाव के कारण मिट्टी के आवरण को नुकसान, मरूस्थलीकरण के सबसे बड़े कारणों में से एक है।

342. पश्चिमी राजस्थान की मिट्टी अम्लीय और क्षारीय तत्त्वों से संसिक्त कैसे हो जाती है-
(a) जल के प्रवाह से
(b) मिट्टी की निचली सतह से ऊपर की ओर कोशिकाओं द्वारा जल रिसाव से
(c) मिट्टी के अपक्षालन से
(d) मिट्टी की ऊपरी सतह से नीचे की ओर चल रिसाव से

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

Ans. (b) मिट्टी की निचली सतह से ऊपर की ओर कोशिकाओं द्वारा जल रिसाव से पश्चिमी राजस्थान की मिट्टी अम्लीय और क्षारीय तत्वों से संसिक्त हो जाती है। उच्च उप-मृदा जल तालिका वाले क्षेत्रों में, शुष्क मौसम में वाष्पीकरण के परिणामस्वरूप केशिका क्रिया द्वारा नीचे से हानिकारक लवणों का स्थानान्तरण होता है। मिट्टी की क्षारीयता की समस्या को दूर करने के लिए जिप्सम का प्रयोग किया जाता है जबकि अम्लीयता की समस्या दूर करने के लिए चूने का उपयोग किया जाता है।

343. वह कौन-सी प्रक्रिया है जिससे पश्चिमी राजस्थान की मिट्टियाँ अम्लीय तथा क्षारीय बन जाती है?

(a) ऊपरी सतह से नीचे की ओर रिसाव
(b) नीचे से ऊपर की ओर कोशिकाओं द्वारा रिसाव
(c) जल प्रवाह
(d) अपलक्षन (घुलकर बहना)

उत्तर–(b)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

344. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में अवनालिका अपरदन की समस्या मुख्यतः होती है?

(a) उदयपुर (b) सिरोही
(c) अलवर (d) कोटा

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (d) अवनालिका अपरदन नदियों, नालों व भारी बारिश के जल बहाव से होता है। इस प्रकार के अपरदन में मिट्टी के ऊपरी आवरण के साथ-साथ गहराई तक कटाव किया जाता है, जिससे गड्ढे एवं घाटियों का निर्माण होता है। राजस्थान में अवनालिका अपरदन से कोटा जिला सर्वाधिक प्रभावित है। कोटा से बांरा के मध्य के क्षेत्र को कुवारी बीहड़ के नाम से जाना जाता है।

345. राजस्थान में मृदा में लवणीयता व क्षारीयता की समस्या कहाँ पायी जाती है?

(a) पाली (b) उदयपुर
(c) राजसमंद (d) डूंगरपुर

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (a)– राजस्थान में मृदा में लवणीयता व क्षारीयता की समस्या पाली जिले में पायी जाती है। राजस्थान में लवणीय मृदा प्राकृत रूप से पाली, बाड़मेर, और जालौर में पाई जाती है, परंतु यह रूपांतरित मिट्टी होने के कारण कोटा, भरतपुर व श्रीगंगानगर में भी पाई जाती है।

346. निम्न में से कौन सा राजस्थान में मरूस्थलीकरण का कारण नहीं है?

(a) अतिचारण (b) वनोन्मूलन
(c) जनसंख्या दबाव (d) सौर्य ऊर्जा उत्पादन

RPSC School Lecturer-26-04-2017

Ans. (d) : राजस्थान में सौर्य ऊर्जा मरूस्थलीकरण का कारण नहीं है। बल्कि सौर्य ऊर्जा उत्पादन का सबसे बड़ा स्रोत है। मरुस्थलीकरण हेतु अतिचारण,वनों की कटाई, मानवीय क्रिया कलाप जैसे प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन एवं जनसंख्या का अत्यधिक दबाव किसी भी क्षेत्र के मरूस्थलीकरण के लिए उत्तरदायी होती है।

347. निम्न में से कौन सी मृदा, राजस्थान में कपास फसलों के उत्पादन हेतु सर्वाधिक उपर्युक्त है?

(a) मिश्रित लाल एवं पीली मृदा
(b) भूरी जलोढ़ मृदा
(c) मध्यम काली मृदा
(d) लाल लोमी मृदा

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (c) : मध्यम काली मृदा राजस्थान में कपास फसलों के उत्पादन हेतु सर्वाधिक उपयुक्त हैं। यह मृदा झालावाड़ा, बूँदी, बारां व कोटा जिलों में पायी जाती है।

348. राजस्थान भू राजस्व अधिनियम किस वर्ष पारित हुआ?

(a) 1950 (b) 1952
(c) 1955 (d) 1956

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (d) : राजस्थान भू राजस्व अधिनियम वर्ष 1956 में पारित किया गया। इस अधिनियम का विस्तार सम्पूर्ण राजस्थान में लागू है। यह अधिनियम भूमि संबंधी मामले, राजस्व न्यायालय एवं अधिकारियों की नियुक्ति एवं कार्य भू-अभिलेख एवं नक्शा तैयार करने, भू-राजस्व निर्धारण करने, भूसंम्पत्तियों के विभाजन तथा राजस्व वसूली एवं उससे संबंधित मामलों के लिए बनाया गया।

349. निम्न में से कौन-सा एक मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है?

(a) कठोर मौसमी परिस्थितियाँ
(b) बढ़ती आबादी
(c) वनोन्मूलन
(d) अम्लीय भूमि का प्रयोग करना

उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)

Ans. (d) मरुस्थलीकरण के प्रमुख कारणों में कठोर मौसमी परिस्थितियाँ, वनोन्मूलन, जनसंख्या वृद्धि, संसाधनों का अति दोहन, भू-क्षरण आदि शामिल है। जबकि अम्लीय भूमि के प्रयोग का मरुस्थलीकरण से कोई सम्बन्ध नहीं है। उल्लेखनीय है सर्वप्रथम ऑबरविले ने वर्ष 1949 में मरुस्थलीकरण के बारे में बताया।

350. निम्न में से कौन-सा एक कारण राजस्थान में मृदा अपरदन से सम्बन्धित नहीं है?

(a) जंगल कटना
(b) हिमानी क्रिया
(c) वायु अपरदन
(d) जलीय अपरदन

उद्योग प्रसार अधिकारी -2018 (22 जुलाई, 2018)

Ans. (b) जलीय अपरदन, वायु अपरदन, जंगल कटना राजस्थान में मृदा अपरदन से सम्बन्धित है, जबकि हिमानी क्रिया राजस्थान में मृदा अपरदन से सम्बन्धित नहीं है। राजस्थान में मृदा संबन्धी प्रमुख समस्याएं भू-स्खलन, मृदा अपरदन, मरूस्थलीकरण जलाभरण आदि है। मिट्टी को ऊपरी सतह से उपजाऊ मृदा का प्रकृति अथवा मानवीय कारणों से वायु द्वारा या जल द्वारा स्थानांतरण होना मृदा अपरदन कहलाता है। राजस्थान में सर्वाधिक मृदा अपरदन वायु तथा उसके बाद जल द्वारा होता है। वनों की कटाई मृदा अपरदन का एक प्रमुख कारण है।

351. जहाँ प्रतिवर्ष प्राकृतिक रूप से मिट्टीयों का नवीनीकरण होता है, वह क्षेत्र है-

Nitin-Gupta.com
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

(a) भावर प्रदेश
(b) तराई प्रदेश
(c) बांगर प्रदेश
(d) खादर प्रदेश

सूचना सहायक भर्ती परीक्षा -2018 (12 मई, 2018)

Ans. (d) जहाँ प्रतिवर्ष प्राकृतिक रूप से मिट्टीयों का नवीनीकरण होता है, वह क्षेत्र खादर प्रदेश है। खादर क्षेत्रों में बाढ़ के दौरान नए जलोढ़ निक्षेप होता है और बाढ़ के बाद ये कृषि के लिए उपयोगी हो जाती है। नदियों के आसपास के क्षेत्र प्रतिवर्ष बहाकर लाई जाने वाली नवीन और अधिक उपजाऊ मृदा को खादर कहते हैं। खादर मृदा रेतीली और हल्की होती है।

352. राजस्थान के किस जिले में जलोढ़ मृदा पायी जाती है?

(a) नागौर (b) भरतपुर
(c) बाड़मेर (d) जैसलमेर

स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा-2019 (21 मार्च, 2021)

Ans. (b) राजस्थान के भरतपुर, अलवर, जयपुर, सवाई माधोपुर तथा गंगानगर जिले के मध्य भाग में जलोढ़ मृदा पायी जाती है। ये सभी राजस्थान राज्य के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित हैं। इस प्रकार की मिट्टी में चूना, फॉस्फोरिक एसिड और ह्यूमस की कमी होती है।

353. हाड़ौती प्रदेश की मृदा का प्रधान प्रकार है-

(a) वर्टीसॉल (b) अल्फीसॉल
(c) इनसेप्टीसॉल (d) एण्टीसॉल

संगणक भर्ती परीक्षा-2021 (19 दिसम्बर, 2021)

Ans. (a) हाड़ौती प्रदेश की मृदा का प्रधान प्रकार वर्टीसॉल है। वर्टीसॉल्स राज्य में 'आर्द्र एवं अति आर्द्र जलवायु में पाई जाने वाली मिट्टी है इसमें अत्यधिक क्ले उपस्थित होती है। ये मिट्टी राज्य के झालावाड़, बारां, कोटा तथा बूंदी जिलो में पाई जाती है।

354. जलवायु प्रतीकों के अनुसार Bwh प्रकार की जलवायु ....में उपलब्ध है।

(a) जैसलमेर (b) जयपुर
(c) बारां (d) डूंगरपुर

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (a) Bwh प्रकार की जलवायु राजस्थान के पश्चिमी भाग में पाई जाती है। यहाँ वर्षा बहुत कम होने के कारण वाष्पीकरण अधिक होता है। इस प्रदेश में मरूस्थलीय जलवायु पायी जाती है। इस प्रदेश के अन्तर्गत-जैसलमेर, पश्चिमी बीकानेर, उतर पश्चिमी जोधपुर, हनुमानगढ़ तथा गंगानगर आदि आते हैं।

355. राजस्थान के सर्वाधिक क्षेत्र पर निम्नलिखित में से कौन सी मृदा पायी जाती है?

(a) एरिडोसोल्स एवं एण्टिसोल्स
(b) एरिडोसोल्स एवं अल्फीसोल्स
(c) इनसेप्टिसोलस
(d) वर्टीसोल्स एवं अल्फीसोल्स

48 LA2018_Question Paper Code-48
Librarian Exam Date-13.11.2016
प्रयोगशाला सहायक-2018 (03 फरवरी 2019)
JEN Mechanical Degree (Non TSP Area) 21.8.2016

Ans. (a) आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार मृदा का वर्णीकरण किया गया है। जिसमें राजस्थान की मिट्टी को 5 भागों में वर्गीकृत किया गया है
(1) एन्टीसोल्स (रेगिस्तानी)
(2) एरिडोसोल्स (बलुई मिट्टी)
(3) वर्टी सोल्स (काली मिट्टी)
(4) इनसेप्टीसोल्स (पथरीली मिट्टी)
(5) अल्फीसोल्स (जलोढ़ क्षेत्र) एन्टी सोल्स तथा एरिडोसोल्स का विस्तार राजस्थान के सर्वाधिक क्षेत्रफल पर पाया जाता है। एण्टीसोल्स मृदा पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में पायी जाती है। इसके अन्तर्गत लगभग 17 जिले आते है।

356. कथन (A) राजस्थान में पाई जाने वाली सीरोजम मिट्टी की उर्वरा शक्ति अपेक्षाकृत कम होती है।
कारण (R) सीरोजम मिट्टी में नाइट्रोजन तथा कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है।

कूट-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं करता
(b) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(c) (A) और (R) दोनों सही है, तथा (R) (A) की सही व्याख्या करता है।
(d) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (c) सीरोजम मृदा रंग में पीले और भूरे रंग की होती है। यह अरावली के पश्चिम में छोटे टीलों वाले क्षेत्रों जैसे पाली, नागौर, अजमेर, जयपुर व दौसा में पायी जाती है। इसमें नाइट्रोजन और कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है। इसकी उर्वरा शक्ति कम होती है।

357. मिट्टी की लवणता एवं क्षारीयता का ठोस उपचार क्या है-

(a) रॉक फास्फेट शोधन
(b) यूरिया शोधन
(c) जिप्सम शोधन
(d) बेन्टोनाइट शोधन

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016

Ans. (c) लवणीय एवं क्षारीय मृदा भारत के शुष्क एवं अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में पाई जाती है। इन स्थानों पर प्रायः भूमिजल भी खारा पाया जाता है। भारत में करीब 6.73 मिलियन हेक्टेयर भूमि लवणीय एवं क्षारीय श्रेणी के अंतर्गत विस्तारित है। लवणीय व क्षारीय भूमि के निदान के लिए इसमें जिप्सम मिलाया जाता है जिप्सम एक तलछट खनिज है। इसमें 23.3% कैल्शियम एवं 18.5% सल्फर होता है। जब यह जल में घुलता है तो कैल्शियम एवं सल्फेट आयन प्रदान करता है। आयनों के कणों में यह परिवर्तन मृदा की रासायनिक और भौतिक अवस्था में परिवर्तन लाता है साथ ही जिप्सम भूमि में सूक्ष्म पोषक तत्वों का अनुपात बनाने में सहायता करता है।

358. राजस्थान में मिट्टी अपरदन का सर्वाधिक क्षेत्र पाया जाता है-

(a) श्रीगंगानगर में (b) हाड़ौती पठार में
(c) डूंगरपुर में (d) सिरोही में

LDC Exam 09.08.2018

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

Ans. (b) राजस्थान में मिट्टी अपरदन का सर्वाधिक क्षेत्र हाड़ौती पठार में पाया जाता है। राजस्थान में सर्वाधिक मृदा अपरदन वायु अपरदन से और उसके बाद जल अपरदन से होता है। राजस्थान में सर्वाधिक रेत के तूफान श्रीगंगानगर जिले में आते हैं।

359. घग्घर का 'दोआब मैदान' जो राजस्थान के हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर जिलों में पाया जाता है, वह निम्नलिखित किन दो नदियों के निक्षेपण से बना है?

(a) बनास और बाणगंगा नदियों द्वारा
(b) घग्घर और सतलज नदियों द्वारा
(c) जवाई और सुकड़ी नदियों द्वारा
(d) घग्घर और व्यास नदियों द्वारा

LDC Exam 09.08.2018

Ans. (b) घग्घर का 'दोआब मैदान' जो राजस्थान के हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर जिलों में विस्तृत है वह घग्घर और सतलज नदियों के निक्षेपण से बनी हुई है। घग्घर नदी के घाट को 'नाली' कहते हैं। घग्घर नदी जिसे प्राचीन सरस्वती नदी के नाम से भी जाना जाता है, अपने रहस्यमयी ढंग से गायब होने के लिए विख्यात है।

360. राजस्थान के नागौर, पाली, अजमेर और जयपुर जिलों में मुख्य रूप से कौन सी मिट्टी पाई जाती है?

(a) लाल लोम
(b) सिरोजेम्स
(c) भूरी मिट्टी
(d) रेतीली मिट्टी

LDC Exam 16.09.2018

Ans. (b)नागौर, पाली, अजमेर और जयपुर जिलों में मुख्य रूप से सिरोजम (धूसर मरूस्थलीय मिट्टी) मिट्टी पायी जाती है। सीरोजम मिट्टी में नाइट्रोजन और कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है। सीरोजम मिट्टी में बरानी खेती की जाती है। पीले व भूरे रंग की मिट्टी सीरोजम मिट्टी होती है। इसकी उर्वरा शक्ति कम होती है।

361. राजस्थान में भूरी मृदा पाई जाती है-

(a) जैसलमेर में
(b) भरतपुर में
(c) बूँदी में
(d) बाड़मेर में

JEN (Civil) Degree 2020 Date 12.09.2021
कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)-2020

Ans. (c) राजस्थान में भूरी मृदा बनास एवं उसकी सहायक नदियों के प्रवाह क्षेत्र में पाया जाता है, जिसमें नाइट्रोजन व फॉस्फोरस का अभाव मिलता है। इन मिट्टियों का विस्तार राज्य के टोंक, बूंदी, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा, उदयपुर आदि जिलों में है। राजस्थान में मुख्यतः 8 प्रकार की मिट्टियाँ पायी जाती है-
(1) लाल बलुई मिट्टी (2) भूरी मिट्टी (3) मरुस्थलीय मिट्टी (4) लाल दोमट मिट्टी (5) बलुई मिट्टी (6) जलोढ़ मिट्टी (7) लवणीय मिट्टी (8) पर्वतीय या पहाड़ी मिट्टी
• परन्तु आयोग ने इस प्रश्न को मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

362. राजस्थान में भूरी मिट्टी का प्रसार क्षेत्र है–

(a) बनास नदी में प्रवाह क्षेत्र (b) राजस्थान का दक्षिणी भाग
(c) हाड़ोती पठार (d) अरावली के दोनों तरफ के भाग

उत्तर - (a)

RPSC RAS/RTS 1944-95

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

363. राजस्थान में भूरी मृदा कहाँ नहीं पाई जाती ?

(a) टोंक (b) उदयपुर
(c) बूंदी (d) पाली

हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018

Ans. (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

364. निम्नलिखित में से किस जिले में भूरी मृदाएँ मिलती है?

(a) बाड़मेर (b) नागौर
(c) जालौर (d) सवाई माधोपुर

कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

365. राजस्थान में, निम्न में से कौन सा मृदा का सर्वाधिक उपजाऊ प्रकार माना जाता है?

(a) बालू मृदा
(b) पीली मृदा
(c) लाल एवं पीली मिश्रित मृदा
(d) जलोढ़ मृदा

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020

Ans. (d) जलोढ़ या कछारी मृदा जो राजस्थान राज्य के पूर्वी भू-भाग में पायी जाती है।
• इस मृदा की उर्वरता अधिक अधिक होती है जिस कारण इस मृदा में सभी फसलों की खेती प्रमुखता से की जाती है।
• राज्य में इस मृदा का विस्तार, भरतपुर, जयपुर, टोंक एवं सवाई माधोपुर आदि जिलों में पायी जाती है।

366. राजस्थान में निम्न में से किस स्थान पर इनसेप्टीमोल्स मृदा नहीं पायी जाती है?

(a) सिरोही (b) राजसमन्द
(c) भीलवाड़ा (d) बूँदी

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (d)राजस्थान की मृदा शुष्क और अर्द्ध जलवायु के तहत जटिल प्रकृति के विस्तृत चट्टानों पर मुख्य रूप से पार्श्वीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से विकसित हुई है। राज्य में इनसेप्टीसोल्स मृदा सिरोही, पाली उदयपुर, भीलवाड़ा राजसमन्द चित्तौडगढ़ जिलों में अरावली की तलहटी के साथ कुछ हिस्सों में पाई जाती है। इनसेप्टीसोल्स मृदा को पथरीली मृदा के नाम से भी जाना है।

367. राजस्थान के किस प्रदेश में अल्फीसोल्स समूह की मृदा मिलती है?

(a) जयपुर, अलवर, दौसा
(b) जैसलमेर, बाड़मेर, पाली
(c) उदयपुर, सिरोही, पाली
(d) कोटा, बूँदी, भरतपुर

हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018
कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (a) राजस्थान में अल्फीसोल्स समूह की मृदा जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर, सवाई माधोपुर, करौली, टोंक, उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़ आदि जिलों में पाई जाती है। इन मृदाओं में ऑरजिलिक संस्तर उपस्थित होते हैं जिनमें ऊपरी सतहों की तुलना में मटियारी मिट्टी की प्रतिशत मात्रा अधिक होती है।

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

368. राजस्थान में 'अल्फीसोल' कहाँ नहीं पायी जाती है?

(a) कोटा (b) बाराँ

(c) झालावाड़ (d) बूँदी

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (*) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।
नोटः- इस प्रश्न को आयोग ने हटा दिया है।

369. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित है?

	मृदा के प्रकार		जिले
(a)	एरिडीसोल्स	-	अजमेर, उदयपुर
(b)	अल्फीसोल्स	-	बीकानेर, गंगानगर
(c)	इनसेप्टीसोल्स	-	भीलवाड़ा, पाली
(d)	वर्टीसोल्स	-	जोधपुर, बाड़मेर

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष)-2019

Ans. (c) राजस्थान में मुख्यतः 5 प्रकार की मिट्टियां पायी जाती है-
(i) एरिडोसोल्स - अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, चुरु, सीकर, झुंझुनु, पॉली
(ii) अल्फीसोल्स - बीकानेर, जयपुर, गंगानगर, दौसा, अलवर, भरतपुर
(iii) इनसेप्टीसोल्स- भीलवाड़ा, पाली, सिरोही, उदयपुर, चित्तौड़गढ़
(iv) वर्टीसोल्स - जोधपुर, बाड़मेर, झालावाड़, बूंदी, कोटा, बॉरा
(v) एण्टीसोल्स - पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में इस प्रकार की मिट्टी पायी जाती है।

370. निम्नलिखित में से कौनसा वृक्ष बीड़ी बनाने में काम आता है?

(a) तेंदू (b) बाँस

(c) खस (d) नीम

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) -2019

Ans. (a) राजस्थान के वन उत्पादों में तेंदू पत्ता लघु वन उपज, आय प्राप्ति का प्रमुख स्रोत है। तेंदू के वृक्षों से प्राप्त पत्तों से बीड़ी बनाने का कार्य किया जाता है। तेंदू के वृक्ष ज्यादातर झालावाड़, बांरा, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, उदयपुर, प्रतापगढ़, व डूंगरपुर जिलों के वन क्षेत्रों में पाये जाते हैं।

371. निम्नांकित में से कौन सी कृषि पद्धति मृदा अपरदन के लिए जिम्मेदार नहीं है?

(a) बागाती कृषि (b) झूमिंग कृषि

(c) गहन कृषि (d) सीढ़ीदर कृषि

कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (d) सीढ़ीदार कृषि पहाड़ी ढलानों पर की जाने वाली परम्परागत कृषि पद्धति है। इस विधि में ढाल की तीव्रता को कम करके मृदा एवं मृदा नमी का संरक्षण किया जाता है।

372. राजस्थान में मिट्टी के ऊपर सफेद लवणीय बालू जम जाती है, उसे क्या कहते हैं?

(a) कल्लर (b) रेह

(c) सफेद मिट्टी (d) बजरी

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018

Ans. (b) राजस्थान में लवणीय या खारी मृदा को स्थानीय भाषा में रेह कहा जाता है। यह मृदा जालौर, बाड़मेर एवं पाली जिले में पाई जाती है।

373. ऊसर मृदा किसे कहते हैं?

(a) खारी एवं लवणीय मृदा को

(b) सागर के किनारे की मृदा

(c) नदियों के किनाने पर स्थित मृदा

(d) पर्वतपदीय प्रदेशों पर स्थित मृदा

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (a) ''क्षारीय और लवणीय मृदा'' को ऊसर मृदा कहते हैं। इसे रेह, कल्लर, थुर आदि स्थानीय नामों से भी जाना जाता है। जिन क्षेत्रों में जल निकास की समुचित व्यवस्था नहीं रहती वहाँ जल जमाव हो जाता है इस स्थिति में सोडियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम के लवण कोशिका क्रिया द्वारा मृदा के ऊपरी परत पर जम जाते हैं। जिससे मृदा की उत्पादन क्षमता का ह्रास होता है और मृदा ऊसर मृदा में परिवर्तित हो जाती है।

374. हाड़ोती पठार में कौन-से प्रकार की मृदा पाई जाती है?

(a) लैटेराइट (b) काली

(c) रेतीली (d) जलोढ़

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (b) – हाड़ौती पठार में काली मृदा बहुतायत में पाई जाती है। काली मृदा को 'रेगुर मृदा' या 'काली कपासी मृदा' के नाम से भी जाना जाता है। इस मिट्टी में मुख्यतः कपास की खेती की जाती है। राजस्थान का दक्षिण-पूर्वी पठार ''हाड़ौती पठार'' के नाम से जाना जाता है। चम्बल, पार्वती और काली सिंध इस क्षेत्र की प्रमुख नदियाँ हैं।

375. निम्न को सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिये गये कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिये-

सूची -I	सूची -II
(1) बलुई मृदा	(i) उदयपुर, डूंगरपुर
(2) लाल मृदा	(ii) बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर
(3) काली मृदा	(iii) टोंक, अलवर, धौलपुर
(4) कछारी मृदा	(vi) कोटा, बारां, झालावाड़

	(1)	(2)	(3)	(4)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (a) सूची-I और सूची-II का सुमेल निम्नलिखित है-

	सूची-I		सूची-II
1.	बलुई मृदा	(ii)	बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर
2.	लाल मृदा	(i)	उदयपुर, डूंगरपुर
3.	काली मृदा	(iv)	कोटा, बारां, झालावाड़
4.	कछारी मृदा	(iii)	टोंक, अलवर, धौलपुर

376. काली मृदा पाई जाती है-

(a) बारां, झालावाड़, कोटा में

(b) जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर में

(c) टोंक, धौलपुर, अलवर में

(d) बीकानेर, उदयपुर, सिरोही में

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) भर्ती परीक्षा- 2020

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

Ans. (a) काली मिट्टी सर्वाधिक चिकनाई युक्त होती है। इस मिट्टी में सर्वाधिक नमी धारण करने की क्षमता होती है। इस मिट्टी में फॉस्फेट,नाइट्रोजन एवं जैविक पदार्थों की कमी पायी जाती है। राजस्थान में इस मिट्टी का क्षेत्र दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान को माना जाता है। जिसमें राजस्थान के प्रमुख जिले हैं-बारा,झालावाड़ कोटा व बूँदी।

377. निम्नलिखित युग्मों से कौन सा एक सुमेलित नहीं है?

मृदा प्रकार	क्षेत्र
(a) एरिडीसोल्स	अर्द्ध शुष्क
(b) अल्फीसोल्स	आर्द्र
(c) इनसेप्टीसोल्स	अर्द्ध आर्द्र/उप आर्द्र
(d) वर्टीसोल्स	शुष्क

कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020

Ans. (a) सही सुमेलन है–

मृदा प्रकार		क्षेत्र
एरिडीसोल्स	–	मरुस्थल क्षेत्र
अल्फीसोल्स	–	आर्द्र
इनसेप्टीसोल्स	–	अर्द्ध आर्द्र/उप आर्द्र
वर्टीसोल्स	–	शुष्क

378. पहाड़ी मृदा राजस्थान में पायी जाती है-

(a) कोटा से सिरोही में
(b) उदयपुर व सिरोही में
(c) सिरोही व अजमेर में
(d) उदयपुर व कोटा में

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (b) राजस्थान में पहाड़ी मृदा उदयपुर, अलवर, सिरोही, पाली, अजमेर जिले में पाई जाती है। यह मृदा लाल, पीला, अथवा भूरे रंग की होती है। यह उपजाऊ मृदा नहीं है।

379. राजस्थान में मिश्रित लाल और काली मिट्टी में सामान्यतया कौन-सी फसलें उगाई जाती है-

(a) चावल, गन्ना
(b) मूँगफली, सरसों
(c) गेहूँ, चना
(d) कपास, मक्का

JEN Mechanical Diploma 21.8.2016

Ans. (d) राजस्थान में मिश्रित लाल और काली मिट्टी में सामान्यतया कपास एवं मक्का की फसलें उगाई जाती है। राजस्थान में कृषि मूलतः वर्षा पर आधारित है। वर्तमान में राजस्थान का हनुमानगढ़ जिला कपास उत्पादन में अग्रणी स्थान रखता है।

380. राजस्थान में निम्नलिखित में से जिलों का कौन-सा समूह अवनालिका मृदा अपरदन से गम्भीर रूप से ग्रसित है-

(a) कोटा, बूँदी, झालावाड़ एवं टोक
(b) सवाई माधोपुर, भरतपुर, धौलपुर एवं अलवर
(c) धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर एवं कोटा
(d) कोटा, बूँदी, बारां एवं बाँसवाड़ा

JEN Mechanical Degree Exam Date : 21.8.2016

Ans. (c) राजस्थान में अवनालिका मृदा अपरदन से प्रभावित जिले-धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर एवं कोटा है। अवनालिका अपरदन नदियों, नालों एवं भारी बारिश के जल से होता है। इन जल धाराओं द्वारा मृदा के ऊपरी आवरण के साथ कटाव बढ़ते हुए गहरे गड्ढ़े, घाटियाँ एवं नाले का रूप ले लेता है। जिसे अवनालिका अपरदन कहते है।

381. राजस्थान के कौन से तीन जिले गहरी भूरी काली मृदा रखते हैं-

(a) उदयपुर, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा
(b) कोटा, बूँदी, झालावाड़
(c) भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक
(d) पाली, सिरोही, जालौर

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (b) राजस्थान में कोटा, बूँदी झालावाड़ तथा बारां जिलों में गहरी भूरी काली मृदा पायी जाती है। इसमें कैल्शियम एवं पोटाश पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इस मिट्टी में कपास की अच्छी खेती होती है।

382. राजस्थान में बंजर भूमि विकास के संबंध में निम्न कथनों का परीक्षण कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

1. राज्य में वर्तमान (2013-14) में भू-उपयोग हेतु कुल प्रतिवेदित क्षेत्र में लगभग 19 प्रतिशत भूमि बंजर भूमि है।
2. राज्य में गत 30 वर्षों में पुरानी पड़त भूमि में लगभग 18 प्रतिशत की कमी आई है।
3. राज्य में बंजर भूमि विकास कार्यक्रम को क्रियान्वित करने का उत्तरदायित्व राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड का है।
4. राज्य में एकीकृत बंजर भूमि विकास योजना स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (SIDA) के सहयोग से वर्तमान में 10 जिलों में चल रही है।

कूट.-

(a) 1, 2 और 4 (b) 1 और 2
(c) 1 और 3 (d) 2 और 4

Gram Sevek & Hostel Superintendent Ex. Dt. 18.12.2016

Ans. (b) राज्य में भूमि उपयोग के प्रयोजन के लिए बंजर भूमि कुल क्षेत्रफल का लगभग 19% है। कृषि योग्य बंजर भूमि अजमेर, अलवर और जैसलमेर में सबसे अधिक तथा हनुमानगढ़, झुंझुनू व भरतपुर में न्यूनतम है।

• राज्य में पिछले 30 वर्षों में पुरानी परती भूमि में लगभग 18% की कमी दर्ज की गयी है।

• एकीकृत बंजर भूमि विकास परियोजना सौ प्रतिशत केन्द्र प्रायोजित योजना है न कि अन्तर्राष्ट्रीय संस्था के सहयोग से संचालित इस परियोजना का उद्देश्य गैर वन बंजर भूमि का विकास करना है।

383. राजस्थान का मरुस्थल विश्व के इन्हीं अक्षांशों में स्थित अन्य मरुस्थलों से सर्वथा भिन्न है। यहाँ मरुस्थलीकरण प्रक्रिया के संबंध में क्या अवधारणा सटीक है-

(a) यह हृदयस्थल से प्रारम्भ व प्रसारित होती है।
(b) यह शुष्क क्षेत्रों से प्रारम्भ व प्रसारित होती है।
(c) यह अतिचारण, अतिहलर, निर्वनीकरण तथा मृदा व जल के अनुचित प्रबंधन के कारण प्रारम्भ व प्रसारित होती है।
(d) यह सूखे के कारण प्रारम्भ होती है।

Gram Sevek & Hostel Superintendent Ex. Dt. 18.12.2016

Nitin-Gupta.com
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

Ans. (c) थार रेगिस्तान, जिसे ग्रेट इण्डियन डेजर्ट के रूप में भी जाना जाता है यह भारत व पाकिस्तान के बीच एक प्राकृतिक सीमा रेखा बनाता है। यह मरूस्थल भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 4.56% भाग है। मरूस्थलीकरण की प्रक्रिया अतिचारण, अतिलहर, निर्वनीकरण प्रथा मृदा व जल के अनुचित प्रबन्धन के कारण प्रारम्भ व प्रसारित होती है।

384. निम्नलिखित में से कौन सा जिला शुष्क मैदानी कृषि जलवायु प्रदेश का भाग नहीं है?

(a) बीकानेर (b) पाली
(c) जैसलमेर (d) जोधपुर

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (b) पाली अर्द्ध शुष्क जलवायु प्रदेश के अन्तर्गत आता है। इस जलवायु प्रदेश की औसत वर्षा 20-40 सेमी. होती है। जबकि बीकानेर, जैसलमेर और जोधपुर शुष्क जलवायु प्रदेश के अन्तर्गत आते हैं। यहाँ गर्मियों में रेत भरी आंधी व लू चलती है। इस जलवायु प्रदेश में औसत वर्षा 16 से.मी. होती है।

385. निम्नलिखित में से किस प्रकार की मृदाएँ लिथोसोल्स भी कहलाती है?

(a) दोमट मृदाएँ (b) मरुस्थलीय मृदाएँ
(c) पर्वतीय मृदाएँ (d) लाल मृदाएँ

Economic Investigator (उद्योग विभाग) -2018 (Exam Dt. 25 March 2019)

Ans. (c) मृदा वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान की मिट्टी को मुख्यतः आठ (8) मृदा समूहों में वर्गीकृत किया गया है, जिनमें से मुख्य हैं- रेगिस्तानी, भूरी, सीरोजेम, लाल लोम, पहाड़ी आदि। इनमें से पहाड़ी मिट्टी या पर्वतीय मिट्टी को 'लिथोसोल' कहते हैं। यह लाल, पीले व भूरे रंग की नागौर, पाली, सिहोर, उदयपुर इत्यादि जिलों में पायी जाती है।

386. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है-

	मृदा का प्रकार	जिला
(a)	लाल लोमी	डूँगरपुर
(b)	पर्वतीय मृदा	उदयपुर
(c)	पीली भूरी	बीकानेर
(d)	गहरी मध्यम काली	कोटा

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (c) सही सुमेलित है–

मृदा के प्रकार		सम्बन्धित जिला
लाल लोमी	–	डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर।
पर्वतीय मृदा	–	उदयपुर, पाली, सिरोही, अजमेर।
पीली भूरी	–	बाड़मेर, सिरोही।
गहरी मध्यम काली	–	कोटा, झालावाड़, बूंदी।

अतः विकल्प (c) सुमेलित नहीं है।

387. राजस्थान में अंध एवं धूसर क्षेत्रों की बढ़ती हुई संख्या के मद्देनजर भारत के केन्द्रीय भू-जल प्राधिकरण ने राज्य के किन प्रशासनिक खण्डों में भूमिगत जलदोहन पर पूर्ण रोक लगा दी है-

(a) सूरजगढ़, देसूरी, देवली
(b) भीनमाल, टोडाभीम, टोडा रायसिंह
(c) बहरोड़, ओसियाँ, महुवा
(d) बहरोड़, भीनमाल, सूरजगढ़, घोंड़, श्रीमाधोपुर

Gram Sevek & Hostel Superintendent Ex. Dt. 18.12.2016

Ans. (d) सेन्ट्रल ग्राउन्ड वाटर अथॉरिटी ऑफ इण्डिया ने बहरोड़, भीनमाल, सूरजगढ़, घोंड व श्रीमाधोपुर में भूजल के दोहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया।

388. निम्न में से कौन-सा क्षेत्र राजस्थान में Bshw प्रकार की जलवायु को कोपेन वर्गीकरण के अनुसार दर्शाता है?

(a) अरावली के उत्तर का भाग
(b) अरावली के दक्षिण का भाग
(c) अरावली के पूर्व का भाग
(d) अरावली के पश्चिम का भाग

उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)

Ans. (d) अरावली के पश्चिम का भाग राजस्थान में Bshw के प्रकार के जलवायु को कोपेन वर्गीकरण के अनुसार दर्शाता। Bshw जलवायु प्रदेश अर्द्धशुष्क प्रदेश है। जाड़े की ऋतु शुष्क होती है। साथ ही ग्रीष्म ऋतु में भी वर्षा अधिक नहीं होती है। वनस्पतियाँ मुख्यतः स्टैपी प्रकार की है। काटेंदार झाड़ियाँ और घास यहाँ की विशेषता है। राजस्थान के पश्चिमी भाग में स्थित जिले बाड़मेर, जालौर, सिरोही, पाली, जोधपुर, नागौर, चुरू सीकर झुंझुनू आदि इस जलवायु प्रदेश में आते है।

389. राजस्थान में भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए कौन-सी फसल उगायी जाती है?

(a) गेहूँ (b) चावल (c) उड़द (d) गन्ना

उत्तर - (c)

RPSC RAS/RTS 1999-2000

व्याख्या—उड़द दलहनी फसल है। दलहनी फसलें खेतों की उर्वरा शक्ति को बनाए रखती हैं। इनके बोने से खेतों को नाइट्रोजन मिलता है। हरी खाद के रूप में भी इनका उपयोग किया जाता है। राजस्थान में दालों की कृषि कुल बोये गये क्षेत्र के 21.71% क्षेत्र पर की जाती है। राज्य के शुष्क एवं अर्द्ध-शुष्क भाग में दालों के अन्तर्गत अधिकतर क्षेत्र मिलता है।

390. 'सेम' किस स्थिति से सम्बन्धित है?

(a) रेत/बालू के टीलों का निर्माण (b) पारिस्थितिकी में परिवर्तन
(c) मिट्टी/मृदा का अपरदन/कटाव (d) वनीय कटाव

उत्तर–(c)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—'सेम' (water Lagging) पारिस्थितिकी में परिवर्तन से सम्बंन्धित है। यह विशिष्ट क्षेत्रों में उत्पन्न हुई है। जलाभरण अथवा सेम से तात्पर्य किसी क्षेत्र में पानी का भरा रहना। पानी के भरने से उसके समीपवर्ती क्षेत्र में नमी अधिक हो जाती है जिसे स्थानीय भाषा में 'सेम' कहते है। इस प्रकार के जलाभरण की समस्या राजस्थान के गंगानगर, हनुमानगढ़ जिलों में, सूरतगढ़, बढ़ोपल रावतसर और बीकानेर के लूनकरणसर क्षेत्र में देखने को मिलती है।

Nitin-Gupta.com
GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"